मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 252
मंगलवार, 31 मार्च 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

16 अप्रैल से शुरू होगी जनगणना, सरकार बोली- जानकारी पूरी तरह गोपनीय रहेगी

नई दिल्ली, 30 मार्च। भारत के महापंजीयक और जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण ने आज लोगों से जनगणना करने वालों को सही जानकारी देने की अपील करते हुए आश्वस्त किया कि व्यक्तिगत डेटा गोपनीय रहेगा तथा इसे किसी साक्ष्य या किसी योजना का लाभ लेने के लिए इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि जनगणना अधिनियम की धारा 15 के तहत सभी व्यक्तिगत जानकारी गोपनीय रहती है। हम आपको बता दें कि दिल्ली समेत देश के कुछ राज्यों में अप्रैल में 16वीं जनगणना का पहला चरण शुरू होने से पहले संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने बताया कि दिल्ली में जनगणना 16 अप्रैल से 15 मई तक आयोजित की जाएगी।

उन्होंने कहा, जनगणना के दौरान एकत्र किया गया सभी व्यक्तिगत डेटा गोपनीय रहता है। इसे सूचना का अधिकार (आरटीआई) के तहत साझा नहीं किया जा सकता, न ही अदालत में साक्ष्य के रूप में उपयोग किया जा सकता है और न ही किसी सरकारी या निजी संस्था के साथ साझा किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सांख्यिकीय डेटा का उपयोग केवल संकलन के लिए किया जाएगा। जाति को जनगणना में शामिल करने और लोगों द्वारा सही जानकारी नहीं दिए जाने की आशंका के बारे में पूछे जाने पर महापंजीयक ने कहा कि जाति से संबंधित डेटा दूसरे चरण में एकत्र किया जाएगा और इसके प्रश्न व्यापक चर्चा के बाद तय किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि चूंकि व्यक्तिगत डेटा पूरी तरह

गोपनीय रहेगा और इसका उपयोग किसी सरकारी योजना का लाभ लेने के लिए नहीं किया जा सकता, इसलिए इसके दुरुपयोग की आशंका निराधार है।

मृत्युंजय कुमार नारायण ने बताया कि पहली बार स्व-गणना की व्यवस्था शुरू की गई है, जिसमें लोग जनगणना के पहले चरण (हाउस लिस्टिंग और हाउसिंग जनगणना) से पहले 15 दिनों की अवधि में डिजिटल रूप से अपनी जानकारी जमा कर सकते हैं। उन्होंने कहा, पहले डेटा कागज पर एकत्र किया जाता था, जिससे डिजिटलीकरण में काफी समय लगता था। अब शुरूआत से ही डिजिटल डेटा मिलेगा, इसलिए हम बहुत जल्दी डेटा जारी कर सकेंगे। कई डेटा सेट 2027 में ही प्रकाशित किए जाएंगे। मृत्युंजय कुमार नारायण ने कहा कि यह सुविधा केवल देश में रहने वाले लोगों के लिए उपलब्ध होगी, विदेश में रहने वालों के लिए नहीं। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनगणना के दौरान किसी भी दस्तावेज की आवश्यकता नहीं होगी।

आयुक्त ने यह भी बताया कि डेटा मोबाइल ऐप के माध्यम से एकत्र किया जाएगा, और एक वेब पोर्टल जनगणना और हाउस लिस्टिंग की विभिन्न गतिविधियों की निगरानी व प्रबंधन करेगा। डेटा की सुरक्षा पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि जनगणना के दौरान डेटा की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए डेटा सेंटरों को क्रिटिकल इंफॉर्मेशन इंफ्रास्ट्रक्चर घोषित किया गया है।

ममता बनर्जी के भड़काऊ बयान के खिलाफ बीजेपी पहुँची चुनाव आयोग

कोलकता, 30 मार्च। पश्चिम बंगाल में चुनावी माहौल तेजी से गरमाता जा रहा है और इसी बीच राजनीतिक आरोप प्रत्यारोप भी अपने चरम पर पहुंच गए हैं। इसी बीच, भारतीय जनता पार्टी ने आज एक गंभीर आरोप लगाते हुए चुनाव आयोग से मांग की है कि राज्य की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी को चुनाव प्रचार से प्रतिबंधित किया जाए। पार्टी का कहना है कि उन्होंने चुनाव आचार संहिता का बार बार उल्लंघन किया है, जिससे निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है।

हम आपको बता दें कि भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने चुनाव आयोग को एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा है, जिसमें केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और किरण रिजिजू सहित कई प्रमुख नेताओं ने हस्ताक्षर किए हैं। इस ज्ञापन में कहा गया है कि पश्चिम बंगाल में चुनावी नियमों और

आपराधिक कानूनों का लगातार और दुर्भावनापूर्ण उल्लंघन किया जा रहा है। पार्टी ने आयोग से तत्काल हस्तक्षेप करने की अपील करते हुए कहा है कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया की पवित्रता बनाए रखने के लिए सख्त कदम उठाना बेहद जरूरी है।

ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि चुनाव आयोग को अपने संवैधानिक अधिकारों का पूरा उपयोग करते हुए ऐसे उपाय लागू करने चाहिए जो प्रभावी और डर पैदा करने वाले हों, ताकि किसी भी तरह की गड़बड़ी को तुरंत रोका जा सके। भारतीय जनता पार्टी ने यह भी मांग की है कि राज्य में केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती की जाए, जिससे मतदान प्रक्रिया निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके।

हम आपको बता दें कि भारतीय जनता पार्टी ने अपने आरोपों के समर्थन में कई घटनाओं का जिक्र किया है।

जिनमें कथित तौर पर ऐसे बयान दिए गए जो राजनीतिक हिंसा को बढ़ावा देते हैं और आम लोगों के बीच भय का माहौल बनाते हैं।

आंधी-तूफान ने मचाई तबाही, ट्रैक पर पेड़ गिरने से कई ट्रेनें प्रभावित, यात्रियों को भारी परेशानी

रेवाड़ी , 30 मार्च। तेज आंधी और बारिश के चलते रेवाड़ी-महेंद्रगढ़ रोड पर रोलियावास गांव के पास बड़े पेड़ गिर जाने से सड़क और रेलवे ट्रैक दोनों बाधित हो गए। इस अचानक हुए घटनाक्रम से सड़क पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, जबकि एक ट्रेन करीब दो घंटे तक ट्रैक पर खड़ी रही। सड़क मार्ग पर भी लगभग एक घंटे तक जाम की स्थिति बनी रही, जिससे यात्रियों और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आंधी के दौरान कई पेड़ जड़ से उखड़कर सीधे रेलवे ट्रैक और सड़क पर आ गिरे। इस दौरान सड़क से गुजर रही कई गाड़ियों पर भी पेड़ों की शाखाएं और तने गिरने से उन्हें नुकसान पहुंचा। कुछ वाहनों के शीशे टूट गए, जबकि कई के बॉडी पार्ट क्षतिग्रस्त

होने की सूचना है। हालांकि राहत की बात यह रही कि अब तक किसी प्रकार की जनहानि की पुष्टि नहीं हुई है। पेड़ गिरने से रेल और सड़क यातायात पूरी तरह थम गया। सूचना मिलते ही रेलवे, स्थानीय प्रशासन और संबंधित विभागों की टीमें मौके पर पहुंचीं और राहत कार्य शुरू किया गया। मौके पर मौजूद रेलवे के एक अधिकारी ने नाम प्रकाशित न करने की शर्त पर बताया कि रेलवे विभाग पिछले चार वर्षों में कई बार वन विभाग को पत्र लिखकर ट्रैक के नजदीक खड़े खतरनाक पेड़ों की छंटाई या हटाने की मांग कर चुका है। उन्होंने कहा कि बार-बार अनुरोध के बावजूद वन विभाग की ओर से इस दिशा में गंभीरता नहीं दिखाई गई, जिसके चलते यह स्थिति उत्पन्न हुई। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद सड़क मार्ग को बहाल किया गया, जबकि लगभग दो घंटे बाद ट्रेन को रेवाड़ी की ओर रवाना किया जा सका।

इस घटना ने एक बार फिर रेलवे ट्रैक और मुख्य सड़कों के आसपास खड़े जर्जर व खतरनाक पेड़ों की समय रहते छंटाई की आवश्यकता को उजागर कर दिया है। स्थानीय लोगों ने भी संबंधित विभागों से भविष्य में ऐसे हादसों को रोकने के लिए स्थायी समाधान की मांग की है।

बिहार की सियासत में बड़ा उलटफेर, नीतीश कुमार और नितिन नवीन ने दिया इस्तीफा, नए सीएम फेस पर सस्पेंस

पटना, 30 मार्च। बिहार की राजनीति में सोमवार का दिन काफी अहम साबित हुआ जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने अपने-अपने सदनों से इस्तीफा दे दिया। इस खबर ने सोमवार सुबह से एक नई सियासी पारी की शुरूआत के संकेत दे दिए। दरअसल दोनों नेताओं ने क्रमशः बिहार विधान परिषद और बिहार विधानसभा की सदस्यता छोड़ दी और यह कदम उन्होंने राज्यसभा में चुने जाने के बाद उठाया।

दिलचस्प बात यह रही कि दोनों नेताओं ने अपने इस्तीफे खुद जाकर नहीं बल्कि प्रतिनिधियों के जरिए भेजे। जहाँ नीतीश कुमार का इस्तीफा एमएलसी संजय गांधी ने संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी के साथ मिलकर परिषद के

सभापति को सौंपा, वहीं नितिन नवीन का पत्र बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने विधानसभा अध्यक्ष तक पहुंचाया। विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह ने नीतीश कुमार का इस्तीफा स्वीकार करते हुए उनकी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार सदन के एक बेहद महत्वपूर्ण और समर्पित नेता रहे हैं जिन्होंने हमेशा बिहार के हित को प्राथमिकता दी।

दरअसल 16 मार्च को दोनों नेता राज्यसभा के लिए चुने गए थे और नियमों के मुताबिक उन्हें 30 मार्च तक राज्य की किसी एक सदस्यता से इस्तीफा देना जरूरी था। संविधान के अनुच्छेद 101 और 190 के तहत बने नियम साफ कहते हैं कि कोई भी व्यक्ति एक साथ संसद और राज्य विधानसभा का सदस्य नहीं रह सकता और उसे 14 दिनों के भीतर एक पद छोड़ना ही होगा।

नितिन नवीन के इस्तीफे को लेकर संजय सरावगी ने बताया कि नवीन पहले से ही दिल्ली और असम के कार्यक्रमों में व्यस्त थे इसलिए उन्होंने पटना छोड़ने से पहले ही अपना इस्तीफा उन्हें सौंप दिया था, जिसे सोमवार को स्पीकर को दे दिया गया। वहीं नवीन ने पटना के बांकीपुर क्षेत्र के लोगों के नाम एक भावुक संदेश भी लिखा- उन्होंने कहा कि पार्टी ने उन्हें नई जिम्मेदारी दी है लेकिन अपने क्षेत्र के लोगों से उनका रिश्ता हमेशा बना रहेगा। दूसरी तरफ विजय कुमार चौधरी ने बताया कि नीतीश कुमार ने भी अपना इस्तीफा पहले ही संजय गांधी को सौंप दिया था और अब उसे औपचारिक रूप से जमा कराया गया। उन्होंने यह भी कहा कि नीतीश कुमार हमेशा संवैधानिक मूल्यों का पालन करने वाले नेता रहे हैं और यह फैसला भी उसी परंपरा का हिस्सा है। अब सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि नीतीश कुमार कब मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देंगे। चौधरी ने इस पर सीधा जवाब देने से बचते हुए कहा कि सब कुछ सही समय पर और संविधान के अनुसार होगा हालांकि यह तय माना जा रहा है कि राज्यसभा में शपथ लेने से पहले नीतीश कुमार मुख्यमंत्री पद छोड़ सकते हैं।

कब्रिस्तान से चल रहा था गैस का काला कारोबार, 10 आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 30 मार्च। हैदराबाद में एलपीजी सिलेंडरों की कालाबाजारी से जुड़े एक बड़े गिरोह का खुलासा हुआ है। हैदराबाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 10 लोगों को गिरफ्तार किया है, जो कब्रिस्तान को गोदाम बनाकर अवैध रूप से गैस सिलेंडर जमा कर ऊंची कीमतों पर बेच रहे थे। पुलिस को मिली गुप्त सूचना के आधार पर जुबली हिल्स टास्क फोर्स और बंजारा हिल्स पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाया। छापेमारी के दौरान बंजारा हिल्स इलाके के एक कब्रिस्तान से आरोपियों को रंगे हाथ पकड़ा गया। मौके से बड़ी मात्रा में छढऋ सिलेंडर बरामद किए गए, जिससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया।

पुलिस ने कुल 414 एलपीजी सिलेंडर जब्त किए हैं, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 21.88 लाख बताई जा रही है। जब्त सिलेंडरों में घरेलू और कमर्शियल

दोनों तरह के सिलेंडर शामिल हैं, जो अलग-अलग क्षमता के थे।

कार्रवाई के दौरान अलग-अलग कैटेगरी के सिलेंडर मिले– 47 किलो के भरे हुए सिलेंडर, 19 किलो के भरे और खाली सिलेंडर, साथ ही 5 किलो वाले छोटे सिलेंडर भी बड़ी संख्या में मौजूद थे। इससे साफ है कि यह रैकेट लंबे समय से संगठित तरीके से काम कर रहा था।

जांच के दौरान पुलिस ने आरोपियों के पास से 11 वाहन भी जब्त किए हैं, जिनका इस्तेमाल सिलेंडरों के ट्रांसपोर्ट में किया जा रहा था। इनमें DCM, बोलेरो, टाटा एसीई और अन्य छोटे-बड़े वाहन शामिल हैं।

पुलिस के मुताबिक इस पूरे नेटवर्क का मुख्य आरोपी मोहम्मद आमिर है, जो शमशाबाद इलाके में मेट्रो गैस एजेंसी संचालित करता है।

महंगे एलपीजी सिलेंडर पर प्रियंका गांधी ने सरकार को घेरा

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने पश्चिम एशिया के संकट पर संसद में विस्तार से चर्चा करने की मांग की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि युद्ध और अंतरराष्ट्रीय संघर्ष जैसे गंभीर मुद्दों पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। प्रियंका गांधी ने कहा, 'इस मुद्दे पर हम एक देश के तौर पर एकजुट हैं, लेकिन हम चाहते हैं कि देश के सामने मौजूद चुनौतियों का समाधान निकाला जाए। इसीलिए हम इस पर चर्चा की मांग कर रहे हैं।'प्रियंका गांधी ने देश में बढ़ती महंगाई, खासकर रसोई गैस की कीमतों पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि एलपीजी सिलिंडर इतने महंगे हो गए हैं कि गरीब और मध्यम वर्ग के लिए उन्हें खरीदना बेहद मुश्किल हो गया है।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37

* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg.
Near Diamond Talkies,
L. T. Road, Borivali (West)
Mumbai - 400 092
Maharashtra

ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
- Std. XI & XII (Sci.)
- MHT-CET
- NEET
- Polytechnic & Engg
- JEE (Main & Advance)
- Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)

M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

माओवादी मुक्ति से शांति एवं संतुलन की नई संभावनाएं

-ललित गर्ग

भारत जैसे विशाल, विविधतापूर्ण और लोकतांत्रिक राष्ट्र के सामने आंतरिक सुरक्षा की चुनौतियां हमेशा से बहुआयामी रही हैं। इन चुनौतियों में नक्सलवाद या माओवादी हिंसा एक ऐसी समस्या रही, जिसने दशकों तक देश की आंतरिक शांति, विकास और सुशासन को गंभीर रूप से प्रभावित किया। विशेषकर छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, बिहार और आंध्र प्रदेश के आदिवासी बहुल क्षेत्रों में माओवादी गतिविधियों ने न केवल विकास को अवरुद्ध किया, बल्कि हजारों निर्दोष नागरिकों और सुरक्षाकर्मियों की जान भी ली। लेकिन आज जब बस्तर जैसे माओवादी गढ़ से 25 लाख के इनामी सरगना पापा राव का अपने साथियों सहित आत्मसमर्पण करना एक निर्णायक मोड़ के रूप में सामने आया है, तब यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि भारत माओवादी मुक्ति की ऐतिहासिक दहलीज पर खड़ा है। नक्सलवाद की जड़ें सामाजिक-आर्थिक असमानता, उपेक्षा और शोषण में रही हैं, लेकिन समय के साथ यह आंदोलन अपने मूल उद्देश्यों से भटककर एक हिंसक और विध्वंसकारी विचारधारा में बदल गया। माओवादी संगठन न केवल विकास कार्यों में बाधा डालते रहे, बल्कि उन्होंने स्थानीय लोगों को भय और हिंसा के माध्यम से नियंत्रित किया। स्कूल, सड़क, स्वास्थ्य केंद्र जैसे बुनियादी ढांचे

को नष्ट करना उनकी रणनीति का हिस्सा बन गया था। इससे यह स्पष्ट हो गया कि यह आंदोलन अब जनहित का नहीं, बल्कि सत्ता और नियंत्रण का माध्यम बन चुका है।

भारत सरकार द्वारा 31 मार्च 2026 तक देश को नक्सलवाद/माओवाद से मुक्त करने का जो लक्ष्य निर्धारित किया गया था, वह अब लगभग अपनी अंतिम अवस्था में पहुंचता दिखाई दे रहा है। पिछले एक दशक में 10,000 से अधिक माओवादियों के आत्मसमर्पण, सुरक्षा बलों की आक्रामक एवं रणनीतिक कार्रवाई तथा प्रभावित क्षेत्रों में तेजी से हुए विकास कार्यों ने माओवादी आंदोलन की जड़ों को कमजोर कर दिया है। छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में माओवादी हिंसा की घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है। विशेष रूप से शीर्ष नेतृत्व के आत्मसमर्पण, जैसे दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के सदस्यों के सरेंडर ने संगठन को नेतृत्वहीन कर दिया, जिससे माओवादी संरचना भीतर से कमजोर पड़ गई। इस सफलता के पीछे सरकार की बहुआयामी रणनीति रही, जिसमें केवल सैन्य-पुलिस कार्रवाई ही नहीं, बल्कि विकास, पुनर्वास और प्रशासनिक पहुंच को भी समान महत्व दिया गया। रेड कॉरिडोर क्षेत्रों में सड़कों और पुलों का निर्माण, मोबाइल टावरों के माध्यम से 4जी नेटवर्क का विस्तार, स्कूलों और आईटीआई संस्थानों की स्थापना ने इन क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ा। वहीं फोर्टिफाइड पुलिस स्टेशनों की रणनीति के माध्यम से सुरक्षा बलों ने माओवादियों के गढ़ों में घुसकर निर्णायक कार्रवाई की। आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों के लिए पुनर्वास नीति के तहत आर्थिक सहायता, रोजगार और समाज में पुनर्स्थापना की व्यवस्था ने भी माओवादी कैडर को हथियार छोड़ने के लिए प्रेरित किया। यह समन्वित रणनीति, दूरदर्शिता और दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिणाम है कि देश आज नक्सलवाद के अंत के ऐतिहासिक चरण के निकट खड़ा दिखाई दे रहा है।

निश्चित ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने इस समस्या के समाधान के लिए बहुआयामी और दृढ़ रणनीति अपनाई। गृहमंत्री अमित शाह की सूझबूझ और स्पष्ट दृष्टिकोण ने इस अभियान को एक नई दिशा दी। सरकार ने एक ओर जहां सुरक्षा बलों को आधुनिक तकनीक, बेहतर प्रशिक्षण और संसाधनों से सशक्त किया, वहीं दूसरी ओर विकास योजनाओं को भी गति दी। ह्यसुरक्षा और विकासह्न के इस दोहरे दृष्टिकोण ने माओवादी प्रभाव वाले क्षेत्रों में सकारात्मक परिवर्तन की नींव रखी। पिछले कुछ वर्षों में सुरक्षाबलों द्वारा चलाए गए सघन अभियानों ने माओवादी नेटवर्क को गहराई से कमजोर किया है। बस्तर, जो कभी माओवादियों का सबसे मजबूत गढ़ माना जाता था, वहां आज आत्मसमर्पण की घटनाएं बढ़ रही हैं। पापा राव जैसे शीर्ष माओवादी नेता का आत्मसमर्पण इस बात का संकेत है कि माओवादी संगठन अब अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। यह केवल एक व्यक्ति का आत्मसमर्पण नहीं, बल्कि एक विचारधारा के पतन का प्रतीक है।

माओवादी मुक्ति का सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि देश के उन क्षेत्रों में शांति और स्थिरता स्थापित होगी, जो लंबे समय से हिंसा की चपेट में रहे हैं। जब बंदूकें खामोश होंगी, तब विकास की आवाज बुलंद होगी। सड़कें बनेंगी, स्कूल खुलेंगे, अस्पतालों में सुविधाएं बढ़ेंगी और सबसे महत्वपूर्ण, लोगों के जीवन में सुरक्षा और विश्वास का संचार होगा। आदिवासी और ग्रामीण समुदाय, जो अब तक भय और असुरक्षा में जी रहे थे, वे अब अपने अधिकारों और अवसरों का पूर्ण लाभ उठा सकेंगे। इसके साथ ही, माओवादी हिंसा के समाप्त होने से भारत की आंतरिक सुरक्षा मजबूत होगी। जब देश के भीतर शांति होगी, तब ही बाहरी खतरों का प्रभावी ढंग से सामना किया जा सकता है। नक्सलवाद जैसी समस्याएं अक्सर विदेशी शक्तियों और असामाजिक तत्वों के लिए भी अवसर प्रदान करती हैं, जिन्हें समाप्त करना राष्ट्रीय हित में अत्यंत आवश्यक है। इस दृष्टि से माओवादी मुक्ति न केवल आंतरिक, बल्कि सामरिक रूप से भी महत्वपूर्ण है।

आदर्श शासन व्यवस्था की स्थापना के लिए कानून का शासन, पारदर्शिता, जवाबदेही और विकास की समान पहुंच आवश्यक होती है। माओवादी प्रभाव वाले क्षेत्रों में इन सभी तत्वों का अभाव था। वहां प्रशासन की पहुंच सीमित थी और लोकतांत्रिक संस्थाएं प्रभावी रूप से कार्य नहीं कर पा रही थीं। लेकिन अब जब माओवादी प्रभाव घट रहा है, तब सरकार के लिए यह अवसर है कि वह इन क्षेत्रों में सुशासन की मजबूत नींव रखे। पंचायतों को सशक्त किया जाए, स्थानीय नेतृत्व को प्रोत्साहित किया जाए और जनभागीदारी को बढ़ावा दिया जाए। यह भी आवश्यक है कि माओवादी विचारधारा के प्रभाव को केवल सुरक्षा उपायों से ही नहीं, बल्कि वैचारिक स्तर पर भी चुनौती दी जाए। शिक्षा, जागरूकता और संवाद के माध्यम से लोगों को यह समझाना होगा कि हिंसा किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो सकती। लोकतंत्र में परिवर्तन का मार्ग शांतिपूर्ण और संवैधानिक होता है। इस दिशा में समाज, सरकार और नागरिक संगठनों को मिलकर प्रयास करना होगा। माओवादी मुक्ति के इस दौर में यह भी ध्यान रखना होगा कि जिन कारणों से यह समस्या उत्पन्न हुई थी, वे दोबारा न उभरें। सामाजिक न्याय, आर्थिक समानता और विकास की समावेशी नीति को प्राथमिकता देना आवश्यक है। आदिवासी क्षेत्रों में उनकी संस्कृति, पहचान और अधिकारों का सम्मान करते हुए विकास की योजनाएं लागू की जानी चाहिए। केवल भौतिक विकास ही नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक सशक्तिकरण भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में जिस दृढ़ता और दूरदर्शिता के साथ माओवादी समस्या का समाधान किया जा रहा है, वह न केवल वर्तमान के लिए, बल्कि भविष्य के लिए भी एक मार्गदर्शक है। यह दिखाता है कि यदि राजनीतिक इच्छाशक्ति मजबूत हो, रणनीति स्पष्ट हो और कार्यान्वयन प्रभावी हो, तो कोई भी समस्या असाध्य नहीं है। निश्चिततौर पर माओवादी मुक्ति केवल एक सुरक्षा उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह भारत के लोकतंत्र, विकास और सुशासन की जीत है। यह उस विश्वास का प्रतीक है कि भारत अपने आंतरिक संघर्षों को शांतिपूर्ण और निर्णायक ढंग से सुलझाने में सक्षम है। अब समय है कि इस उपलब्धि को स्थायी बनाया जाए और देश के हर कोने में शांति, समृद्धि और संतुलन का वातावरण स्थापित किया जाए। जब हर नागरिक सुरक्षित, सम्मानित और सशक्त महसूस करेगा, तभी सच्चे अर्थों में एक आदर्श शासन व्यवस्था का निर्माण संभव हो सकेगा।

तमिलनाडु चुनाव में चुनावी हलचल तेज हो गई है, किसका पलड़ा भारी ?

अशोक भाटिया

तमिलनाडु चुनाव की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, राज्य में चुनावी हलचल तेज हो गई है। एक-एक करके सारे दल अपने घोषणापत्र जारी कर रहे हैं। पलानीस्वामी ने एआईएडीएमके का घोषणापत्र जारी किया। उन्होंने कई जाने-पहचाने वादे किए हैं। इसमें महिलाओं को मिलने वाली मासिक नकद सहायता राशि को 1,000 रुपये से बढ़ाकर 2,000 रुपये करना, परिवारों को एकमुश्त 10,000 रुपये की राहत राशि देना, पुरुषों के लिए मुफ्त बस यात्रा, प्रति वर्ष तीन एलपीजी सिलेंडर मुफ्त, फसल ऋण माफी, धान के लिए उच्च समर्थन मूल्य और सौर ऊर्जा पर सब्सिडी शामिल है। सबके खास चुनावी वादा है, हर राशन कार्ड धारक को एक फ्रिज देना पलानीस्वामी ने घोषणापत्र को चुनाव का नायक बताया। एक मायने में, वे सही हैं। तमिलनाडु में, कल्याणकारी वादे कभी भी चुनाव प्रचार का सिर्फ एक हिस्सा नहीं होते। वे अक्सर खुद चुनाव प्रचार होते हैं, वह भाषा जिसके माध्यम से पार्टियां सम्मान, कर्ज, भूख, आकांक्षा और घरेलू तनाव के बारे में बात करती हैं।

देखा जाय तो इस समय हिन्दुत्व का राजनीतिक विरोध तमिलनाडु की खास पहचान बना हुआ है। ई.वी. रामासामी द्वारा रखी गई वैचारिक नींव यहां की राजनीति को आज भी आकार दे रही है; यह धार्मिक लामबंदी के बजाय सामाजिक न्याय, भाषाई पहचान और तर्कवाद को प्राथमिकता देती है। यह जीवंत ढांचा आज भी मतदाताओं की अपेक्षाओं और राजनीतिक रणनीतियों को प्रभावित करता है। जैसा कि चेन्नई स्थित शिक्षाविद सी. लक्ष्मण कहते हैं, तमिलनाडु में चुनाव केवल पहचान के आधार पर नहीं, बल्कि गरिमा, कल्याण और अधिकारों के मुद्दों पर लड़े जाते हैं।

इस ढांचे में अपने पैर जमाने के लिए बीजेपी को संघर्ष करना पड़ रहा है। अपने सांगठनिक आधार का विस्तार करने और नेतृत्व को चमकाने पर भारी-भरकम खर्च करने के बावजूद, उसकी रणनीतियां मोटे तौर पर राज्य की राजनीतिक सोच के अनुरूप नहीं दिखी हैं। धार्मिक पहचान को आगे लाने के प्रयासों को सीमित सफलता ही मिली है, जबकि गठबंधन बनाने की कोशिशें क्षेत्रीय पार्टियों की वजह से बाधित हुई हैं, जो अपनी जगह छोड़ने को तैयार नहीं। जैसा कि पत्रकार एम। सतीश कुमार कहते हैं, तमिलनाडु में बीजेपी की समस्या आकांक्षा-महत्वाकांक्षा की कमी नहीं, बल्कि एक ऐसी राजनीतिक भाषा की कमी है जो लोगों के दिलों को छू सके।

गठबंधन पर अपनी निर्भरता के कारण बीजेपी का एआईएडीएमके (ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कजगम) के साथ एक जटिल रिश्ता बन गया है; यह एक ऐसी पार्टी है जो खुद अंदरूनी अस्थिरता से जूझ रही है। जे। जयललिता के निधन के बाद से, एआईएडीएमके को एक एकजुट ताकत के रूप में खुद को फिर से स्थापित करने में काफी संघर्ष करना पड़ रहा है। नेतृत्व को लेकर चल रही खींचतान अब गुटों के बीच गहरी और स्थायी दरारों में बदल गई है।हालांकि ई.के। पलानीस्वामी ने संगठन पर कुछ हद तक नियंत्रण हासिल कर लिया है, फिर भी पार्टी में एकता अब भी दूर की कौड़ी बनी हुई है। पकड़ मजबूत करने के उनके प्रयासों ने ओ. पनीरसेल्वम के खेमे से जुड़े गुटों को पार्टी से अलग-थलग कर दिया है; वहीं, वी.के. शशिकला की छाया अब भी पार्टी के भविष्य पर अनिश्चितता के बादल की तरह मंडरा रही है।

कोयंबटूर के वरिष्ठ एआईएडीएमके नेता सिंगाई रामचंद्रन ने बड़ी बेबाकी के साथ समस्या की गंभीरता को स्वीकार किया: ऐसे समय जब वोट जुटाने पर ध्यान देना चाहिए था, पार्टी अब भी नेतृत्व के मुद्दे पर उलझी हुई है। आलोचकों का कहना है कि पलानीस्वामी अपनी ताकत स्थापित करने में तो सफल रहे हैं, लेकिन आम सहमति नहीं बना पाए हैं। यह असंतुलन पार्टी की उस क्षमता को कमजोर करता है जिससे वह ऐसे चुनाव में विश्वसनीय चुनौती पेश कर सके जिसमें दोनों की आवश्यकता है।

यह विखंडन एआईएडीएमके तक ही सीमित नहीं है। पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) अपने मजबूत वन्नियार आधार के साथ प्रभावशाली तो बनी हुई है, लेकिन राजनीतिक रूप से अस्थिर है। आंतरिक फेरबदल, पीढ़ीगत परिवर्तन और बदलते गठबंधन विकल्पों ने इसकी स्थिति को अनिश्चित बना दिया है। हालांकि उत्तरी तमिलनाडु में इसकी कुछ हद तक पकड़ मजबूत बनी हुई है, लेकिन व्यापक विपक्षी विमर्श को आधार देने के लिए आवश्यक एकजुटता का अभाव है। जैसा कि लक्ष्मण बताते हैं, पीएमके वोट जुटा सकती है, लेकिन उन्हें एकजुट नहीं कर सकती।

राज्य की भीड़भाड़ वाले राजनीतिक मंच पर अब अभिनेता विजय ने कदम रख दिया है, जिनका राजनीति में आना उत्साह और उथल-पुथल, दोनों का मेल है। अलग-अलग तबकों में जबरदस्त लोकप्रियता रखने वाले विजय एक नई राजनीतिक ऊर्जा का प्रतिनिधित्व करते हैं। हालांकि, उनका शुरूआती असर शायद बिखरा हुआ ही रहने वाला है। उनके समर्थकों का आधार काफी हद तक डीएमके-विरोधी मतदाता वर्ग से मेल खाता है, जिससे अलग-अलग सीटों पर सत्ता-विरोधी वोटों के बंट जाने की संभावना बढ़ जाती है। जैसा कि डीएमके के प्रवक्ता सेलम धरणीधरन बताते हैं, विजय को अगर पांच से आठ फीसद वोट भी मिल जाते हैं, तो वे दर्जनों सीटों के नतीजों को बदल सकते हैं: अपनी छाप छोड़ने के लिए उन्हें किसी जबरदस्त जीत की जरूरत नहीं। फिलहाल, विश्लेषकों का मानना है कि विजय डीएमके के लिए खतरा कम, बल्कि उसके विरोधियों के लिए नई उलझन ज्यादा हैं।विपक्ष की आंतरिक फूट सत्ताधारी गठबंधन की आपसी एकता के बिल्कुल विपरीत है। डीएमके ने, कांग्रेस और सीपीआई (एम) जैसी वामपंथी पार्टियों के साथ मिलकर, न केवल अपने गठबंधन को एकजुट रखा है, बल्कि उसे और मजबूत भी किया है। डीएमके और कांग्रेस के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर शुरूआती मतभेद, जो अक्सर गठबंधन की राजनीति में टकराव का कारण बनते हैं, बातचीत से सुलझा लिए गए; दोनों ही पक्षों ने अपनी-अपनी अधिकतम मांगें रखने के बजाय एकता के महत्व को प्राथमिकता दी। सीपीआई (एम) ने भी बिना किसी सार्वजनिक विवाद के बातचीत को आगे बढ़ाया, जिससे एक अनुशासित और तालमेल वाले मोर्चे की छवि और मजबूत हुई।

कांग्रेस नेता मनिकम टैगोर स्वीकार करते हैं कि मतभेद थे, लेकिन साथ ही इस पर भी जोर देते हैं कि दोनों पक्षों के बीच एक साझा समझ थी कि आपसी फूट का फायदा केवल विपक्ष को ही होगा। वामपंथी दल भी इसी व्यावहारिक सोच का समर्थन करते हैं; वे सीटों के बंटवारे को एक ऐसी समायोजन प्रक्रिया के तौर पर देखते हैं, जिसका मूल उद्देश्य एक व्यापक राजनीतिक लक्ष्य को हासिल करना है।

इसके नतीजे साफ हैं। इस बहुदलीय मुकाबले में, अगर विपक्ष के वोट बंट जाते हैं, तो एक मजबूत गठबंधन, अपने स्थिर वोट शेयर के दम पर भी, आसानी से जीत हासिल कर सकता है। डीएमके को अपने विस्तार के लिए कोई बहुत बड़ा कदम उठाने की जरूरत नहीं। उसे बस अपनी जगह पर मजबूती से टिके रहना है, जबकि उसके विरोधियों में बचे वोटों की बंदरबांट होगी। इससे एक बार फिर ह्यसत्ता-विरोधी लहरह्न की ओर ध्यान जाता है। हालांकि सरकार के प्रति कुछ जगहों पर असंतोष हो सकता है, लेकिन एकजुट विपक्ष के अभाव में, यह असंतोष एक निर्णायक चुनावी ताकत में तब्दील होता नहीं दिखता। इसके बजाय, यह असंतोष कई पार्टियों- जैसे एआईडीएमके, बीजेपी, पीएमके और विजय के राजनीतिक मंच- के बीच बंट जाने की संभावना है; और ये सभी पार्टियां एक ही तरह के मतदाताओं को अपनी ओर खींचने की कोशिश करेंगी। जैसा कि एक अनुभवी विश्लेषक कहते हैं, असंतोष तो मौजूद है, लेकिन इस बात पर कोई सहमति नहीं कि इसका फायदा किसे मिलने जा रहा। और यह डीएमके के पक्ष में जाने वाला सबसे बड़ा फायदा है। जब तक एआईएडीएमके के भीतर और विपक्षी दलों के बीच कोई बड़ा फेरबदल नहीं होता, या किसी नई ताकत के इर्द-गिर्द कोई अप्रत्याशित एकजुटता नहीं बनती, एम.के। स्टालिन के नेतृत्व वाली डीएमके के सत्ता में बने रहने की स्थिति मजबूत नजर आ रही है।

इस बार डीएमके को नए सहयोगियों का भी साथ मिला है, जिसमें अभिनेता से नेता बने कमल हसन की पार्टी मक्कल निधि मय्यम और दिवंगत विजयकांत की स्थापित देसिया मुरपोक्कू द्रविड़ कषगम शामिल हैं। डीएमके ने चुनाव को 'तमिलनाडु बनाम एनडीए' का रूप देने की कोशिश की है। सरकार अपनी योजनाओं, जैसे महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा, मासिक आर्थिक सहायता और कैश ट्रांसफर को बड़ा मुद्दा बना रही है।

दूसरी तरफ, एआईएडीएमके (ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम) और भारतीय जनता पार्टी का गठबंधन वापसी की कोशिश में जुटा है। इस गठबंधन की कमान ईडापड्डी के पलानीस्वामी यानी ईपीएस के हाथ में है। यह चुनाव उनके लिए करो या मरो की तरह देखा जा रहा है, क्योंकि जे जयललिता के निधन के बाद पार्टी लगातार तीन चुनाव हार चुकी है। एआईएडीएमकी ने बीजेपी के साथ फिर से हाथ मिलाया है और टीटीवी दिनाकरन को भी एनडीए में शामिल कर लिया है, ताकि थेवर समुदाय के वोटों को एकजुट किया जा सके। ओ पनीरसेल्वम इसी समुदाय से आते हैं और राज्य की राजनीति में खास तौर पर एआईएडीएमके के लिए यह एक बड़ा वोट बैंक माना जाता है।

कुल मिलाकर, तमिलनाडु इस बार ऐसे चुनावी रण में उतर चुका है जहां कई ताकतें, टूटते समीकरण और नए नैरेटिव एक साथ टकरा रहे हैं। यह चुनाव न सिर्फ राज्य की राजनीति का भविष्य तय करेगा, बल्कि यह भी बताएगा कि क्या पारंपरिक द्रविड़ राजनीति का दबदबा बरकरार रहेगा या कोई नई ताकत उभरकर सामने आएगी।

पश्चिमी यूपी में मायावती पुराने सपने और नई रणनीति के साथ

-संजय सक्सेना

बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री मायावती का जेवर के नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पहले चरण के उद्घाटन के बहाने पश्चिमी उत्तर प्रदेश को अलग राज्य और उसके लिए हाईकोर्ट की अलग बेंच बनाने की मांग फिर से उठाना केवल एक भावुक नारा नहीं है, बल्कि एक लंबी चली आ रही राजनीतिक रणनीति का हिस्सा है। इस मुद्दे को बार-बार तराशकर वह न सिर्फ पश्चिमी उत्तर प्रदेश के स्थानीय असंतोष को अपनी राजनीति में बदलना चाहती हैं, बल्कि बसपा को एक वैकल्पिक अस्तित्व के रूप में भी स्थापित करना चाहती हैं, जिससे दल को ताकत और मान्यता दोनों मिल सकें।

जेवर एयरपोर्ट का उद्घाटन होते ही मायावती ने यह दावा किया कि इस परियोजना की रूपरेखा और इसके जरूरी बुनियादी काम उनकी बसपा सरकार के शासनकाल में ही शुरू हो चुके थे। उनका यह दावा बसपा को विकासवादी दल के रूप में पेश करने वाला है, जिससे उत्तर प्रदेश की जनता के सामने यह संदेश जाता है कि बसपा केवल जातिगत मुद्दे उठाने वाली पार्टी नहीं, बल्कि बड़ी परियोजनाओं की सोच भी रखती है। इस तरह वह एयरपोर्ट के नाम पर न केवल अपने शासनकाल की राजनीतिक विरासत जीवित रख रही हैं, बल्कि मौजूदा सरकार और अन्य तीनों बड़े दलोंकृभाजपा, सपा और कांग्रेसकृको विकास कार्यों में देरी और रुकावट का दोषी भी ठहरा रही हैं।

इसी कड़ी में वह पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हाईकोर्ट की अलग बेंच और वहाँ के लिए अलग राज्य बनाने के सपने को दोहरा कर एक नया तर्क बना रही हैं। उनका संदेश स्पष्ट है कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश, जो औद्योगिक गलियारों, खजूरी खेतों, और नोएडाह्नगुरुग्राम जैसे नए शहरों का घर है, आज भी अदालती और प्रशासनिक देरी और निर्णयों की दूरी से जूझ रहा है। इस असंतोष को वह बसपा के पक्ष में मोड़ने की कोशिश कर रही हैं, ताकि वहाँ के छोटे व्यापारी, उद्योगपति, भूमि-मालिक और नव-निर्मित पड़ोस बसपा को अपनी उम्मीद का केंद्र बना सकें, जो पहले शायद भाजपा या सपा की ओर झुके रहे हैं। अलग प्रदेश की मांग को फिर से उठाकर मायावती बसपा के लिए कई तरह के फायदे तैयार करने की कोशिश कर रही हैं। सबसे पहले, यह मुद्दा पार्टी को एक बड़े राज्य-स्तरीय रणनीति के रूप में पेश करता है, न कि केवल जातिगत या विधानसभा-स्तरीय तंत्र के रूप में। उत्तर प्रदेश के विभाजन की चर्चा आज-कल केवल बसपा तक सीमित नहीं है, बल्कि राज्य भर के राजनीतिक गलियारों में भी चल रही है, लेकिन बसपा इसे अपनी राजनीति का केंद्र बनाकर अपनी विशिष्ट पहचान बनाए रखना चाहती है। इससे पार्टी को एक नई राजनीतिक भाषा भी मिलती है, जिसमें न केवल दलित, आदिवासी और अन्य पिछड़े वर्गों की बात होगी, बल्कि पूरे पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लोगों के विकास और न्याय की बात भी शामिल होगी।

दूसरे, अलग प्रदेश की मांग बसपा को पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विभिन्न जातिगत और सामाजिक समूहों को एक साथ जोड़ने का मौका देती है। यहाँ दलित, ओबीसी, जाट, गुज्जर, राजपूत और अन्य छोटी जातियाँ रहती हैं, जो अक्सर अलग-अलग राजनीतिक दलों के खेमों में बंटी रहती हैं। मायावती की रणनीति यह है कि स्थानीय असंतोष और विकास की मांग को एक दूसरे से जोड़कर बसपा उन सबको एक नए राजनीतिक विकल्प के रूप में पेश करे, जहाँ जाति अलग-अलग नहीं होगी, बल्कि क्षेत्रीय और विकासवादी एजेंडा हावी होगा। ऐसी स्थिति में बसपा न केवल अपनी मूल आधार-जनता को बचाए रख सकती है, बल्कि नए वोट-बैंक भी बना सकती है, जो पहले भाजपा या सपा के पास रहते थे। तीसरा, यह रणनीति बसपा को राजनीतिक रूप से ह्नमजबूत विपक्षी दलह्न के रूप में दिखाने में मदद कर सकती है। उत्तर प्रदेश में भाजपा-संचालित राज्य सरकार के दौर में अलग राज्य की मांग से यह संदेश निकलता है कि प्रदेश बड़ा होने के कारण विकास और न्याय दोनों ही धीमे हो रहे हैं। इस दावे को बसपा अपने विकासवादी एजेंडा के साथ जोड़कर यह बताना चाहती है कि अगर वह सत्ता में आई, तो सिर्फ जातिगत आरक्षण और सामाजिक न्याय तक ही सीमित नहीं रहेगी, बल्कि प्रशासनिक सुधार और भू-राजनीति को भी नए सिरे से सोचेगी। इससे पार्टी की छवि बदल सकती है, जो आज भी कई लोगों को सिर्फ ह्नदलित-नेतृत्व पार्टीह्न लगती है, वह धीरे-धीरे एक व्यापक जन-आधार वाली राज्य-स्तरीय राजनीतिक शक्ति के रूप में गिनी जा सकती है।

चौथा, अलग प्रदेश की मांग बसपा को मीडिया और जनता के बीच लगातार चर्चा में रहने का अवसर देती है। जब भी राज्य-विभाजन, न्यायपालिका की अलग बेंच या औद्योगिक विकास जैसे विषय आते हैं, बसपा का नाम उस संवाद में जरूरी तौर पर आता है। इससे पार्टी को उत्तर प्रदेश के राजनीतिक समीकरण में बने रहने की प्रासंगिकता मिलती है, भले ही कभी-कभी चुनावी आंकड़े उसके अनुकूल नहीं हों। मीडिया-समय और चर्चा का यह फायदा बसपा को नए नेताओं को उभारने, युवाओं को जोड़ने और स्थानीय स्तर पर नेता-बनावट की प्रक्रिया आगे बढ़ाने में मदद कर सकता है।

चीनी सीसीटीवी बैन करते थे मुखबिरी?

-अजय कुमार

देश भर में सुरक्षा की दीवार खड़ी करने के नाम पर लगाए जा रहे कैमरे अब खुद सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा बन गए थे। लेकिन अब सरकार ने इस चुपके से फैल रही जासूसी के जाल पर सख्ती से हमला बोला है। 1 अप्रैल 2026 से चीनी कंपनियों के इंटरनेट से जुड़े सीसीटीवी कैमरों की बिक्री पर रोक लग जाएगी। हिकविजन, दाहुआ और टीपी लिंक जैसे ब्रांड बिना एसटीक्यूसी सर्टिफिकेशन के अब बाजार में नहीं आ सकेंगे। यह फैसला सिर्फ बाजार को बदलने वाला नहीं है, बल्कि राष्ट्र की सुरक्षा को नई दिशा देने वाला है। हाल की घटनाओं ने साफ कर दिया कि सस्ते कैमरों के पीछे कितना बड़ा खतरा छिपा था।पिछले कुछ हफ्तों में गाजियाबाद पुलिस ने एक ऐसा जासूसी गिरोह पकड़ा, जिसमें पाकिस्तान की आईएसआई सीधे भारतीय रेलवे स्टेशनों की निगरानी कर रही थी। दिल्ली कैंट और सोनीपत स्टेशन के पास सोलर पैनल वाले छिपे कैमरे लगाए गए थे। इनकी लाइव फीड पाकिस्तान तक पहुंच रही थी। अठारह दिन तक सोनीपत स्टेशन के प्लेटफॉर्मों की हर गतिविधि दुश्मन की स्क्रीन पर दिख रही थी। यह सिर्फ एक मामला नहीं था। सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे देश में सीसीटीवी नेटवर्क की जांच शुरू कर दी है। गृह मंत्रालय ने सभी बड़े शहरों में हर कैमरे की फिजिकल वेरिफिकेशन का आदेश दिया है। क्योंकि पता चला कि कई कैमरे न सिर्फ विदेशी सर्वर से जुड़े थे, बल्कि उनकी फीड बिना किसी की जानकारी के बाहर भेजी जा रही थी।

भारत में सीसीटीवी का विस्फोटक विस्तार हुआ है। हर घर के गेट पर, ड्रॉइंग रूम में, बच्चों के कमरे के बाहर, यहां तक कि किचन और बेडरूम तक कैमरे लग रहे हैं। कीमतें गिरने के कारण चीन से सस्ते हार्डवेयर आयात हो रहे थे। भारतीय कंपनियां उन पर अपना स्टिकर चिपका कर बेच रही थीं। लेकिन हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर दोनों में कमजोरियां थीं। कैमरा सेटअप करते ही यूजर को कंसेंट देना पड़ता था कि कंपनी रिकॉर्डिंग को ट्रेनिंग के लिए इस्तेमाल करेगी। इसका मतलब साफ था कि आपकी निजी जिंदगी किसी और की स्क्रीन पर भी हो सकती है। डेटा विदेशी सर्वर पर जा रहा था। पासवर्ड डिफॉल्ट रखे जाते थे। इंस्टॉलर सालों तक उसी पासवर्ड से एक्सेस रखता था। फर्मवेयर अपडेट नजरअंदाज कर दिए जाते थे। नतीजा यह कि घर की हर गतिविधि, कब कौन आया, कब बाहर गया, सब किसी और के पास पहुंच जाता था।यह खतरा सिर्फ घरों तक सीमित नहीं था। पब्लिक जगहों पर लगे कैमरे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए और भी खतरनाक साबित हो रहे थे। रेलवे स्टेशनों, सरकारी दफ्तरों और संवेदनशील इलाकों में भी यही चीनी कैमरे लगे थे। हाल की जासूसी घटनाओं ने दिखा दिया कि दुश्मन इन्हें आसानी से हाइजैक कर सकता है। मिडिल ईस्ट की हालिया जंग में भी सीसीटीवी को टारगेट बनाकर प्रेसाइज अटैक किए गए थे। भारत में भी यही आशंका थी। इसलिए सरकार ने अब सख्त गाइडलाइंस जारी की हैं। मीटवाई ने सीसीटीवी के लिए एसेंशियल रिक्वायरमेंट्स तय किए हैं। हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर, सोर्स कोड, सबकी जांच होगी। बिना सर्टिफिकेशन के कैमरे बेचना गैरकानूनी होगा। यह नियम सरकारी खरीद पर पहले से लागू था, लेकिन अब निजी बाजार पर भी पूरी तरह लागू हो जाएगा। नए नियमों का सबसे बड़ा फायदा भारतीय कंपनियों को मिलेगा। सीपी प्लस, स्पार्श, मैट्रिक्स जैसी देशी ब्रांड्स अब बाजार पर कब्जा कर लेंगी। पहले चीनी ब्रांड्स ने सस्ती कीमत के नाम पर तीस प्रतिशत से ज्यादा बाजार हिस्सा हथिया लिया था। अब कीमतें थोड़ी बढ़ सकती हैं, लेकिन सुरक्षा की कीमत चुकाने लायक है। सरकार का कहना है कि हर कैमरे में एंड टू एंड एनक्रिप्शन, लोकल डेटा स्टोरेज और पारदर्शी सर्वर पॉलिसी होनी चाहिए। डेटा भारत में ही रहेगा। कोई विदेशी सर्वर नहीं। यह बदलाव न सिर्फ जासूसी रोकने के लिए जरूरी है, बल्कि आम नागरिक की निजी जिंदगी की रक्षा के लिए भी है।फिर भी सबसे बड़ा सवाल पुराने कैमरों का है। देश में करोड़ों सीसीटीवी पहले से लगे हुए हैं। इनमें ज्यादातर के पासवर्ड कभी बदले नहीं गए। फर्मवेयर अपडेट नहीं हुए। इंस्टॉलर के पास अभी भी एक्सेस हो सकता है। कई मामलों में घर के कैमरे से ब्लैकमेलिंग के प्रयास भी सामने आए हैं। कोई आपके घर की रूटीन जान ले तो फिजिकल सिक्योरिटी भी खतरे में पड़ जाती है। इसलिए सरकार को सिर्फ नई बिक्री रोकने से काम नहीं चलेगा। मौजूदा कैमरों का पूरा ऑडिट करना होगा, खासकर पब्लिक प्लेसेज में। हर कैमरे की लोकेशन, मॉडल और सिक्योरिटी चेक हो। आम लोगों को भी जागरूक होना होगा।

> **भारत में सीसीटीवी का विस्फोटक विस्तार हुआ है। हर घर के गेट पर, ड्रॉइंग रूम में, बच्चों के कमरे के बाहर, यहां तक कि किचन और बेडरूम तक कैमरे लग रहे हैं। कीमतें गिरने के कारण चीन से सस्ते हार्डवेयर आयात हो रहे थे। भारतीय कंपनियां उन पर अपना स्टिकर चिपका कर बेच रही थीं। लेकिन हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर दोनों में कमजोरियां थीं। कैमरा सेटअप करते ही यूजर को कंसेंट देना पड़ता था कि कंपनी रिकॉर्डिंग को ट्रेनिंग के लिए इस्तेमाल करेगी। इसका मतलब साफ था कि आपकी निजी जिंदगी किसी और की स्क्रीन पर भी हो सकती है। डेटा विदेशी सर्वर पर जा रहा था। पासवर्ड डिफॉल्ट रखे जाते थे। इंस्टॉलर सालों तक उसी पासवर्ड से एक्सेस रखता था।**

अगर आप घर में सीसीटीवी लगा रहे हैं, तो कुछ बुनियादी बातें याद रखें। इंस्टॉलेशन के तुरंत बाद डिफॉल्ट पासवर्ड बदल दें। मजबूत पासवर्ड रखें, जिसमें अक्षर, अंक और स्पेशल कैरेक्टर हों। इंस्टॉलर को कभी भी एडमिन एक्सेस न दें। उसके फोन से लॉगआउट करवाएं। ब्रांड चुनते समय पूछें कि डेटा कहां स्टोर होता है। एंड टू एंड एनक्रिप्शन वाले कैमरे चुनें। फर्मवेयर और ऐप नियमित अपडेट करें। अगर संभव हो, तो कैमरे को अलग गेस्ट नेटवर्क पर चलाएं। रिमोट एक्सेस की जरूरत न हो, तो उसे बंद रखें। बेडरूम या निजी जगहों पर कैमरा लगाने से पहले दो बार सोचें। सुरक्षा जरूरी है, लेकिन गोपनीयता उससे भी ज्यादा।यह फैसला सिर्फ एक ब्रांड पर रोक नहीं है। यह पूरे सिस्टम को सुरक्षित बनाने की दिशा में बड़ा कदम है। चीन से आयातित कैमरों में हार्डवेयर बैकडोर की आशंका हमेशा रही है। सॉफ्टवेयर भी थर्ड पार्टी का इस्तेमाल होता था। अब सरकार सुनिश्चित कर रही है कि हर कैमरा टेस्टेड और सर्टिफाइड हो। साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ लंबे समय से चेतावनी दे रहे थे कि सस्ते कैमरे सुरक्षा के नाम पर खतरा बन रहे हैं। अब सरकार ने उनकी बात मानी है। लेकिन चुनौती अभी खत्म नहीं हुई। पुराने कैमरों को अपग्रेड करने या बदलने की मुहिम चलानी होगी।

बाजार में पहले से जो स्टॉक है, उसका क्या होगा? कुछ कंपनियां पुराना माल क्लियर करने की तैयारी में हैं, लेकिन एक अप्रैल के बाद बिना सर्टिफिकेशन के बिक्री नहीं होगी। इससे छोटे वेंडरों पर असर पड़ेगा, लेकिन लंबे समय में पूरे सिस्टम की विश्वसनीयता बढ़ेगी। भारतीय कंपनियां अब और बेहतर प्रोडक्ट ला रही हैं। वे लोकल सर्वर, बेहतर एन्क्रिप्शन और आसान अपडेट दे रही हैं। आम आदमी को समझना होगा कि सुरक्षा सिर्फ कैमरा लगाने से नहीं आती। उसे सही तरीके से इस्तेमाल करना और सुरक्षित रखना भी जरूरी है।आज के डिजिटल युग में हर घर और हर सार्वजनिक जगह निगरानी में है। लेकिन निगरानी का मतलब जासूसी नहीं होना चाहिए। सरकार का यह कदम देश को आत्मनिर्भर बनाने और विदेशी खतरे से बचाने का संकेत है। फिर भी जागरूकता सबसे बड़ी सुरक्षा है। हर नागरिक को अपने कैमरे की सेटिंग चेक करनी चाहिए। पासवर्ड बदलना चाहिए। अपडेट करना चाहिए। तभी यह कैमरा सुरक्षा का हथियार बनेगा, न कि कमजोरी। वरना सस्ते कैमरे की चकाचौंध में हम अपनी निजी जिंदगी और राष्ट्र की सुरक्षा दोनों खो सकते हैं। समय आ गया है कि हम सुरक्षा को सिर्फ दिखावा न बनाएं, बल्कि उसे वाकई मजबूत बनाएं।

नगरसेविका मनीषा कमलेश यादव का समरस फाउंडेशन ने किया सम्मान

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई की प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था समरस फाउंडेशन द्वारा कल बोरीवली पूर्व स्थित कार्यालय में कांदिवली की नवनिर्वाचित बीजेपी नगरसेविका मनीषा कमलेश यादव का सम्मान किया गया। संस्था के चेयरमैन डॉ किशोर सिंह ने शॉल और पुष्पगुच्छ से उनका सम्मान किया। इस अवसर पर मनीषा यादव के पिता तथा लगातार चार बार नगरसेवक रहे कमलेश यादव विशेषरूप से उपस्थित रहे। संस्था की तरफ से उपस्थित लोगों में उपाध्यक्ष मुकुंद शर्मा, उपाध्यक्ष मानिकचंद यादव, पूरव गांधी, कवि रवि यादव, रामालिंगम, इंजीनियर राजेश यादव, भोला वर्मा, शमशाद खान आदि का समावेश रहा। मनीषा यादव ने संस्था द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए डॉ किशोर सिंह तथा उनकी पूरी टीम के प्रति आभार व्यक्त किया।

विराट हिंदू सम्मेलन में हिंदू समाज एकजुट होकर धर्म एवं संस्कृति के संरक्षण का लिया संकल्प

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पालघर जिले के बोईसर शहर अंतर्गत ओस्तवाल एम्पायर में स्थित गणेश मंदिर के पास रविवार 29 मार्च 2026 को सकल हिंदू समाज द्वारा विराट हिंदू सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता मनोज शंभू सिंह ने अपने मार्गदर्शन में समाज की एकता, संस्कृति और धर्म के संरक्षण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि समाज को एकजुट रहकर अपने सनातन धर्म की रक्षा करनी चाहिए और पश्चिमी सभ्यता से बचते हुए अपनी संस्कृति को बनाये रखना चाहिए। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित ओत्सवाल गुरुद्वारा प्रमुख कुलदीप सिंह बाबा जी ने समाज में भाईचारे और समरसता बनाये रखने की आवश्यकता पर बल दिया। उनका संदेश था कि धर्म और संस्कृति के संरक्षण में सभी को मिलकर काम करना चाहिए। सम्मेलन में विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित इन्द्रसिंह खिंवाड़ा ने अपने मार्गदर्शन में समाज को सशक्त और जागरूक रहने का संदेश दिया। उन्होंने समाज को हमेशा अपने धर्म एवं संस्कृति के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया और कहा कि हम सभी को अपने सनातन धर्म के मूल्यों को बनाये रखते हुए समाज की सेवा करनी चाहिए। कार्यक्रम के दौरान नन्हे बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम ने विशेष आकर्षण का केंद्र बना। बच्चों की प्रस्तुति ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। इस आयोजन में हिंदू समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सम्मेलन में भारी भीड़ देखने को मिली।

कामगार कर्मचारी संघ की नवी मुंबई एयरपोर्ट प्रबंधन समिति की कार्यकारिणी घोषित

नवी मुंबई/ठाणे (उत्तरशक्ति)। अखिल भारतीय कामगार कर्मचारी संघ की नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट प्रबंधन समिति की नई कार्यकारिणी की घोषणा सोमवार को भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष तथा अखिल भारतीय कामगार कर्मचारी संघ के अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण की प्रमुख उपस्थिति में की गई। भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में नवनियुक्त पदाधिकारियों को रविंद्र चव्हाण के हाथों नियुक्ति पत्र देकर उनका सम्मान किया गया। इस अवसर पर रवींद्र चव्हाण ने सभी नए पदाधिकारियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

इस कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष अतुल काळसेकर, अखिल भारतीय कामगार कर्मचारी संघ के महासचिव सुहास माटे, संयुक्त महासचिव रुपेश धुमाळे और योगेश आवळे, उपाध्यक्ष साई घोगळे, सचिव शरद येटम, कार्यकारी अध्यक्ष जितेंद्र राऊत, निशांत गायकवाड सहित कर्मचारी संघ के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। इस मौके पर अखिल भारतीय माथाडी संगठन की कार्यकारिणी की भी घोषणा की गई।

इस दौरान रविंद्र चव्हाण ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में समाज के हर वर्ग को न्याय दिलाने और उनकी समस्याओं का समाधान करने के लिए शासन और प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर सभी को मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी के साथ अन्याय नहीं होगा और न ही हम अन्याय करेंगे, इसी सिद्धांत पर काम करते हुए न्याय दिलाने का प्रयास किया जा रहा है। नवी मुंबई एयरपोर्ट प्रबंधन समिति की कार्यकारिणी में संयुक्त महासचिव के रूप में रुपेश धुमाळे, उपाध्यक्ष के रूप में किरण पवार, युहान केर्सी दोराबाजी और सुजीत न्यायनिगुर्णे, तथा सचिव के रूप में प्रभुदास भोईर, मुखांश नाईक और गजानन पाटील की नियुक्ति की गई है। वहीं, अखिल भारतीय माथाडी संगठन की कार्यकारिणी में रायगड जिला अध्यक्ष के रूप में जितेश शिंदे, भिवंडी-पालघर जिला उपाध्यक्ष के रूप में सचिन जोशी, ठाणे-उरण उपाध्यक्ष के रूप में विक्रांत भोसले, दक्षिण मुंबई उपाध्यक्ष के रूप में राहुल लहासे, वरली विधानसभा अध्यक्ष के रूप में शैलेश तोडकरी और वरली विधानसभा महासचिव के रूप में समीर शेख की नियुक्ति की गई है।

पालकमंत्री गणेश नाईक के हाथों आदर्श ग्रामसेवक, ग्रामपंचायत अधिकारी व वनराई पुरस्कार वितरित

पालघर (उत्तरशक्ति)। पालघर जिले के पालकमंत्री व महाराष्ट्र राज्य के वनमंत्री गणेश नाईक की प्रमुख उपस्थिति में आदर्श ग्रामसेवक, आदर्श ग्रामपंचायत अधिकारी तथा वनराई पुरस्कार वितरण समारोह सोमवार 30 मार्च 2026 को जिला परिषद पालघर के जननायक बिरसा मुंडा सभागृह में उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर विधायक राजेंद्र गावित, पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष प्रकाश निकम, जिला अधिकारी डॉ. इंदुराणी जाखड, मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रविंद्र शिंदे, प्रकल्प संचालिका जिला ग्रामीण विकास यंत्रणा डॉ. रुपाली सातपुते, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी इजाज अहमद शरीक मसलत तथा सभी विभाग प्रमुख उपस्थित थे। उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (पंचायत) अशोक पाटील की योजना के तहत इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

वनराई कार्यक्रम के तहत प्रत्येक ग्रामपंचायत को कम से कम पांच बंधारे बनाने का लक्ष्य दिया गया था। इस लक्ष्य के प्रति सकारात्मक प्रतिक्रिया दिखाते हुए कई ग्रामपंचायतो ने उत्कृष्ट कार्य किया। चहाड़े ग्रामपंचायत ने सर्वाधिक 15 बंधारे बनाये, जबकि भाताणे, आडणे और ब?हाणपूर ग्रामपंचायतो ने प्रत्येक ने 12 बंधारे बनाकर महत्वपूर्ण कार्य किया। इस उपक्रम के अंतर्गत कुल 38 ग्रामपंचायतो को पुरस्कार प्रदान किये गये। इसके साथ ही आदर्श ग्रामसेवक (वर्ष 2022-23 और 2023-24) और आदर्श ग्रामपंचायत अधिकारी (वर्ष 2024-25) पुरस्कारों का वितरण भी किया गया। पिछले कुछ वर्षों से लंबित पुरस्कारों को वितरित किया गया, जिससे संबंधितों में संतोष का माहौल था। जिले के प्रमुख के रूप में अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए, पालकमंत्री गणेश नाईक ने कहा कि प्रशासन को बिना किसी जाति, धर्म या पक्ष भेद के सभी नागरिकों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि वनराई जैसे कार्यक्रमों के कारण जलसंवर्धन को बढ़ावा मिला है और ग्रामीण विकास को मजबूती मिल रही है। विधायक राजेंद्र गावित ने अपने विचार में कहा कि ग्रामविकास के लिए सरपंच, ग्रामसेवक और प्रशासन के बीच समन्वय अत्यंत महत्वपूर्ण है। जिलाधिकारी डॉ. इंदुराणी जाखड ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि जिले में चल रही विभिन्न विकास योजनाओं में सभी घटकों की सहभागिता महत्वपूर्ण है और शाश्वत विकास के लिए इस तरह के कार्यक्रमों का प्रभावी कार्यान्वयन आवश्यक है। मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने अपने विचारों में कहा कि वनराई कार्यक्रम के तहत 1000 बंधारों का लक्ष्य रखा गया था, जबकि कुल 1128 बंधारे बनवाये गये।

उन्होंने निपुण पालघर कार्यक्रम के तहत छात्रों की बुनियादी साक्षरता और गणित ज्ञान बढ़ाने के लिए जिले में विशेष प्रयास किए जाने का उल्लेख करते हुए पालकमंत्री के सामने अन्य विकास कार्यों की समीक्षा प्रस्तुत की। इस दौरान अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रविंद्र शिंदे का सेवानिवृत्ति के अवसर पर पालकमंत्री ने उनका और उनके परिवार का सम्मान किया तथा उन्हें सेवानिवृत्त लाभ प्रदान किया।

कार्यक्रम उपस्थित सभी लोगों का आभार उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी इजाज अहमद ने व्यक्त किया इस अवसर पर जिला परिषद और ग्राम पंचायत के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने किया कान्यकुब्ज मंडल मुंबई के वार्षिक कैलेंडर 2026 का विमोचन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। हर साल की भांति इस साल भी कान्यकुब्ज मंडल मुंबई द्वारा प्रकाशित वार्षिक कैलेंडर 2026 का विमोचन महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के हाथों संपन्न हुआ। इस विशेष अवसर पर आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली एवं मंत्री अजय अ. शुक्ल उपस्थित थे। कान्यकुब्ज मंडल के वार्षिक कैलेंडर 2026 का विमोचन करते हुए राज्य के लोकप्रिय मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कान्यकुब्ज मंडल के कार्यक्रमों की सराहना की।

वार्षिक कैलेंडर 2026 को मंडल की गतिविधियों और समाज की प्रगति का प्रतीक माना जाता है। इस अवसर पर अरविंद अवस्थी, गीता शुक्ला, शानू शुक्ला, जयश्री द्विवेदी, भूपेश शुक्ला उपस्थित थी। बता दें कि मंडल की ओर से वर्ष 2014 से निरंतर वार्षिक कैलेंडर का प्रकाशन किया जा रहा है।

लंबी उम्र के साथ आत्मविश्वास और सकारात्मकता बढ़ाता है स्वस्थ शरीर : लल्लन तिवारी

प्रामाणिक भोर भ्रमण परिवार द्वारा निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण चिकित्सा शिविर संपन्न

भायंदर। स्वस्थ शरीर ऊजार्वान, रोगमुक्त और मानसिक रूप से शांत रहता है, जो जीवन की गुणवत्ता बढ़ाता है। एक स्वस्थ शरीर न केवल लंबी उम्र देता है, बल्कि आत्मविश्वास और सकारात्मकता भी बढ़ाता है। भायंदर पूर्व की प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था प्रामाणिक भोर भ्रमण परिवार द्वारा 29 मार्च को आरएनपी पार्क स्थित राहुल विद्या निकेतन में आयोजित निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण चिकित्सा शिविर का दीप प्रज्वलन करके उद्घाटन करने के बाद उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए प्रख्यात समाजसेवी तथा राहुल एजुकेशन के चेयरमैन लल्लन तिवारी ने उपरोक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर वाला व्यक्ति ही परिवार, समाज और राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। सुबह 9 बजे से आयोजित शिविर में 200 से अधिक लोगों ने अपना परीक्षण कराया। संस्था की तरफ से लोगों को मुफ्त औषधि भी वितरित की गई। इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख लोगों में वरिष्ठ साहित्यकार डॉ सुधाकर मिश्र, संस्था के कार्याध्यक्ष शारदा प्रसाद पांडे, उपाध्यक्ष अभयराज पांडे, कोषाध्यक्ष शिवप्रसाद पांडे, समाजसेवी देवीलाल सुथार,समाजसेवी पुरुषोत्तम पांडे, साहित्यकार डॉ मुरलीधर पांडे, युवा अधिवक्ता एडवोकेट राजकुमार मिश्रा, सुशील त्रिपाठी, संजय दुबे, प्रोफेसर विजय नाथ मिश्र, समाजसेवी रथीन दत्ता, प्रोफेसर अनिल पांडे, डॉ कनौजिया, दिनेश दुबे, एडवोकेट एच आर शर्मा, प्रोफेसर बीके दुबे, शिव बहादुर सिंह, अजीत सिंह, अशोक जांगिड़, यादवेंद्र दत्त दुबे,प्रद्युम्न मिश्रा ,राजीव मणि तिवारी, प्रभाकर मिश्रा, प्राचार्य महेश सिंह, प्राचार्य रविंद्र शर्मा समेत श्री रामचरितमानस समिति के सभी सदस्य उपस्थित रहे। शिविर में चिकित्सक के रूप में डॉ राजेश त्रिपाठी,डॉ प्रकाश यादव ,डॉ कृष्णदेव तिवारी, डॉ संतोष बरई ,डॉ राजेश पांडे ने आए हुए लोगों का परीक्षण किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ उमेश चंद्र शुक्ल ने किया।

पानी समस्या हल नही हुआ तो पालिका अधिकारी छोड़े कुर्सी, शक्त चेतावनी

कल्याण(उत्तरशक्ति)। कल्याण में जल संकट के कारण नागरिकों ने महानगर पालिका के कार्यालय में मोर्चा खोल दिया है। खड़ेगोलवली और कैलाशनगर क्षेत्र के लोग बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं, खासकर पिछले दो महीनों से पीने के पानी की भारी कमी है। इससे नागरिकों, विशेषकर महिलाओं को भारी मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है। सोमवार को शिवसेना के नगरसेवक मधुर महात्रे, नगरसेविका सरोज मनोज राय और भाजपा नगरसेविका डॉ. पूजा गायकवाड़ की अगुवाई में सैकड़ों महिलाओं ने कल्याण-डोंबिवली महानगर पालिका के (ड) प्रभाग कार्यालय का घेराव किया और जलापूर्ति विभाग के डिप्टी इंजीनियर से जलसंकट को लेकर जवाब मांगा। हालांकि, इंजीनियर ने इस मामले में कोई जवाब नहीं दिया । नागरिकों ने अपनी परेशानी को बताते हुवा कहा की पीछे दो से तीन महीनों से पानी की किल्लत से हम लोग जूझ रहे है पालिका प्रशासन से लगातार संपर्क किया जा रहा है , लेकिन पालिका प्रशासन में बैठे पानी अधिकारी इतने मोठे चमड़ी के है की कितना भी इनसे विनंती करें इनको कुछ फर्क नही पड़ता। अभी तो हम कम संख्या में आकर समझा रहे है । लेकिन आने वाले समय में पानी समस्या हल नही किया गया तो अधिकारियों को इस कार्यालय में बैठने नही दिया जायेगा।

जय अम्बे माता मंदिर समिति द्वारा आयोजित नवरात्रोत्सव महा भंडारे के साथ संपन्न

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिले के बोईसर शहर (प.) स्थित जय अम्बे माता मंदिर में आयोजित नौ दिवसीय नवरात्रोत्सव महोत्सव श्रद्धा व उल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस आयोजन में शिवाजी नगर नई बस्ती के स्थानीय निवासियों एवं आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

नवरात्र के दौरान मंदिर परिसर में धार्मिक अनुष्ठान, पूजन व हवन यज्ञ का आयोजन पंडित कमलेश उपाध्याय द्वारा मंत्रोच्चारण के साथ विधिपूर्वक संपन्न कराया गया। श्रद्धालुओं ने भक्तिपूर्वक इन धार्मिक आयोजन में भाग लिया। समापन के दिन 29 मार्च 2026 को जय अम्बे माता मंदिर समिति द्वारा विशाल महा भंडारे का आयोजन किया गया। यह महाभंडारा दोपहर 12 बजे से देर रात तक चला। इसमें हजारों श्रद्धालुओं ने हिस्सा लेकर महा प्रसाद ग्रहण किया। नवरात्रोत्सव के सफल आयोजन में मंदिर समिति के देवी सिंह, आत्मा प्रसाद शुक्ला, विपिन झा, सुजीत यादव, दयाराम मौर्या, उमेश गौड़, बबलू सिंह, बच्चा सिंह, फूलचंद्र सैनी आदि सहयोगीयों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया ने पूरे देश में अपनी एक अलग पहचान बनाई है: रामदास आठवले

मुंबई (उत्तरशक्ति)। आज रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया किसी परिचय की मोहताज नहीं है बल्कि रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया ने पूरे देश में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। यही नही देश के ३२ राज्यों में इसका संगठन है। इसके अलावा नागालैंड में हमारे दो विधायक हैं। उपरोक्त बातें केंद्रीय सामाजिक न्याय मंत्री रामदास आठवले ने चेंबूर में आयोजित अपने स्वागत समारोह में कही। बता दें कि हैट्रिक तीसरी बार निर्विरोध रुप से राज्यसभा में जाने और केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल होने पर रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के दक्षिण मध्य मुंबई जिला अध्यक्ष संजय डोलसे के नेतृत्व में फाईन आर्ट सोसाइटी में भव्य सत्कार समारोह आयोजित किया गया था। इस अवसर पर अनीस पठान,सुभाष सालवे,घनश्याम अग्रवाल,संतोष चेमटे,राकेश काले,दुकेश लोखंडे ने पुष्पहार देकर उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई दी।

इस मौके पर पूर्व मंत्री अविनास महातेकर महाराष्ट्र महासचिव गौतम सोनावणे,सुरेश बारसिंगे मुंबई अध्यक्ष सिद्धार्थ कसारे, शीला ताई गांगुर्दे, अनिल गांगुर्दे, बालासाहेब गरुड़,पप्पू कागदे,विवेक पवार,पूर्व नगर सेविका फूलाबाई सोनावणे,उषा रामलू ,आशा लांडगे,ताराबाई वाघमारे,सबिता इंगले, रवि गायकवाड़, युवराज रामराजे भाजपा जिला अध्यक्ष नीरज उभारे प्रभाग समिति अध्यक्ष आशा सुभाष मराठे,नगर सेवक महादेव शिवगन नगर सेविका समृद्धि काते समाज सेवी सुभाष मराठे, जयप्रकाश अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम के आयोजक और रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के दक्षिण मध्य मुंबई के जिला अध्यक्ष संजय डोलसे ने कहा कि पार्टी में नए कार्यकताओं को शामिल करने का युद्ध स्तर पर प्रयास शुरू है। इसके अलावा नए पदाधिकारियों के गठन करने की तैयारी शुरू है। कार्यक्रम के आरम्भ में रामदास आठवले ने डॉ बाबासाहेब आंबेडकर और छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया । इस दौरान भदंत डॉ राहुल बोधी के 75 वें जन्मदिन पर उन्हें केक खिलाया। कार्यक्रम का सफल सुत्र संचालन सुभाष सालवे ने किया कार्यक्रम के आयोजक संजय डोलसे ने सभी नेताओं और कार्यकताओं का दिल से आभार व्यक्त किया। स्वागत समारोह में हजारों की संख्या में लोग उपस्थित थे।

भिवंडी क्राइम ब्रांच ने तीन आरोपियों किया गिरफ्तार, 41मामलों के खुलासा कर 58 मोटरसाइकिल किया बरामद

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी समेत ठाणे पुलिस आयुक्तालय क्षेत्र में लगातार बढ़ रही वाहन चोरी की घटनाओं पर लगाम लगाते हुए भिवंडी क्राइम ब्रांच ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने वाहन चोरी करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 41 मामलों में चोरी की गई 58 दोपहिया वाहन जब्त किए हैं। गुन्हे शाखा के पुलिस उपायुक्त अमरसिंह जाधव ने भिवंडी में आयोजित पत्रकार परिषद में बताया कि चोरी की गई सभी गाड़ियां महाराष्ट्र के विभिन्न जिलों में बेचकर आरोपी आर्थिक लाभ कमा रहे थे। क्राइम ब्रांच को लगातार मिल रही शिकायतों के आधार पर समानांतर जांच शुरू की गई थी। इसी दौरान पुलिस हवलदार साबीर शेख को मिली गुप्त सूचना के आधार पर सहायक पुलिस आयुक्त शेखर बागड़े और वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक शीतल राऊत के मार्गदर्शन में टीम ने जाल बिछाकर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गणेश उर्फ गणु राजू मोरे (21, निवासी खोणी, डोंबिवली), साहेब अली उर्फ छोटू सुल्तान अली शेख (19, निवासी कामतघर, भिवंडी) और सुनील उर्फ बाला शंकर राठोड़ (20, निवासी टेमघर, भिवंडी) के रूप में हुई है। पुलिस जांच में सामने आया कि साहेब अली एक गैरेज में काम करता था और अपनी तकनीकी जानकारी का इस्तेमाल कर वाहनों की चोरी करता था। इसके बाद गणेश और सुनील के साथ मिलकर चोरी की गाड़ियों को राज्य के अलग-अलग जिलों में बेच दिया जाता था। पुलिस टीम ने आरोपियों से करीब 10 लाख 60 हजार रुपये मूल्य की 58 बाइक बरामद कर 41 चोरी के मामलों का खुलासा किया है। पुलिस आगे की जांच में जुटी हुई है।

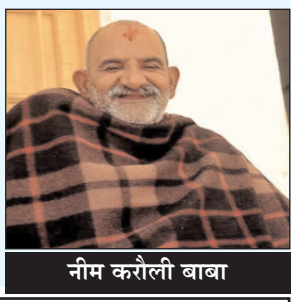

नीम करौली बाबा

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

होनहार बच्चे ही शिक्षित होकर सशक्त भारत का करेंगे निर्माण: नरसिंह बहादुर

सीता राम सिंह सेवा शिक्षण संस्थान के छात्रों ने लहराया परचम, उत्कृष्ट प्रदर्शन से बढ़ाया मान

जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय में चयन व नवोदय परीक्षा में उपलब्धि पर मेधावियों का सम्मान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खुटहन स्थित सीता राम सिंह सेवा शिक्षण संस्थान त्रिकौलिया के मेधावी विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है। विद्यालय के छात्र दक्ष प्रताप का चयन समाज कल्याण विभाग, उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा संचालित जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय में कक्षा सात के लिए हुआ है।

वहीं छात्र सत्य प्रकाश ने नवोदय प्रवेश परीक्षा में 81 फीसदी अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इसी क्रम में छात्र आदित्य कुमार ने 76% अंक प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया।

इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में आयोजित सम्मान समारोह में विद्यालय के संचालक एवं उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष नरसिंह बहादुर सिंह तथा प्रबंधक पारसनाथ सिंह ने सभी मेधावी विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह एवं अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया।

संचालक नरसिंह बहादुर सिंह ने कहा कि हमारे विद्यार्थियों की यह सफलता पूरे संस्थान के लिए गर्व का विषय है। सीमित संसाधनों के बावजूद हमारे छात्र अपनी मेहनत और शिक्षकों के मार्गदर्शन से निरंतर नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर रहे हैं। बच्चे ही देश के भविष्य हैं जो शिक्षित होकर सशक्त भारत का निर्माण करेंगे। यही बच्चे आगे चलकर देश का श्रेष्ठ नागरिक बनेंगे और देश के सर्वांगीण विकास में योगदान देंगे। संस्थान का लक्ष्य केवल शिक्षा देना ही नहीं, बल्कि विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना है। प्रबंधक पारसनाथ सिंह ने कहा कि हमें विश्वास है कि ये छात्र भविष्य में समाज और देश का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। आभार प्रधानाचार्य बिपिन कुमार सिंह एवं प्रबंध निदेशक कृष्णा सिंह ने व्यक्त किया। मौके पर मेवा लाल यादव, लालता प्रसाद सिंह, निशा, गीता यादव सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

नखास की काली-अन्नपूर्णा-चौरा मां का हुआ भव्य श्रृंगार

उमड़ा जनसैलाब, जयघोष से वातावरण हुआ भक्तिमय

श्रद्धालुओं ने दर्शन-पूजन करके ग्रहण किया प्रसाद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के नखास मोहल्ले में स्थित ऐतिहासिक एवं पौराणिक काली-अन्नपूर्णा-चौरा माता का भव्य श्रृंगार हुआ। एकादशी के दिन आयोजित यह अनुष्ठान पिछले कई दशकों से होता चला आ रहा है। क्षेत्रीय लोगों के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में प्रातः माता रानी के दरबार को भव्य ढंग से सजाया गया जो भक्तों के लिये आकर्षण का केन्द्र बना रहा।

शाम को आरती के बाद कन्या पूजन किया गया जिसके बाद भण्डारा शुरू हुआ जो देर तक अनवरत चलता रहा। इस मौके पर आये लोगों का स्वागत कार्यक्रम संयोजक अशोक जायसवाल गप्पू ने किया। इस दौरान जहां क्षेत्रीय महिलाओं ने मन्दिर प्रांगण में पचरा गाया, वहीं भक्ति गीत की धुनों पर माता रानी के भक्त थिरकते नजर आये।

कार्यक्रम को सफल बनाने में गहना कोठी परिवार के विवेक सेठ मोनू के अलावा अंकुर साहू, मक्खन जायसवाल, संतोष गुप्ता, गुड्डू यादव, चुनमुन जायसवाल, बादू यादव, आर्यन जायसवाल, शुभम सरोज, प्रतीक जायसवाल, मनीष सरोज, विकास जायसवाल, मोहित निषाद, पंडित जायसवाल सहित तमाम लोगों का सहयोग रहा। अन्त में संतोष निषाद ने समस्त आगंतुकों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

कलेक्ट्रेट सभागार में देखा गया मुख्यमंत्री कार्यक्रम का सजीव प्रसारण, 51 आंगनबाड़ी सहायिकाओं को मिला नियुक्ति पत्र

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग के अंतर्गत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा आंगनबाड़ी सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र वितरण एवं नवनिर्मित आंगनबाड़ी केंद्रों/परियोजना कार्यालयों के लोकार्पण-शिलान्यास कार्यक्रम का सजीव प्रसारण कलेक्ट्रेट सभागार में देखा गया।

इस अवसर पर नगर पालिका परिषद जौनपुर की अध्यक्ष मनोरमा मौर्या, भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. अजय सिंह, जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र एवं मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया सहित अन्य अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों ने कार्यक्रम में भाग लिया और मुख्यमंत्री के संबोधन को ध्यानपूर्वक सुना। कार्यक्रम के दौरान जनपद की कुल 51 नव नियुक्त आंगनबाड़ी सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए, जिनमें पुष्पा, सुमन, आंचल, विश्वकर्मा, सविता एवं बबीता प्रमुख रूप से शामिल रहीं। अपने संबोधन में नगर पालिका अध्यक्ष ने कहा कि सरकार महिलाओं एवं बच्चों के कल्याण के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने नव नियुक्त सहायिकाओं को अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ करने के लिए प्रेरित किया। भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि आंगनबाड़ी व्यवस्था महिला एवं बाल विकास की आधारशिला है, जो कुपोषण मुक्ति, बच्चों के पोषण एवं गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य सुधार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में पारदर्शी तरीके से रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता समाज के कमजोर वर्गों के बच्चों के पोषण और देखभाल में अहम भूमिका निभाती हैं, जो अत्यंत सराहनीय कार्य है। मुख्य विकास अधिकारी ने सभी नव नियुक्त सहायिकाओं का स्वागत करते हुए उन्हें अपने दायित्वों का ईमानदारी से पालन करने की अपील की।

इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी नरेंद्र सिंह, जिला सूचना अधिकारी मनोकामना राय सहित अन्य अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाएं उपस्थित रहीं।

शिवपुर पुलिस की तत्परता से मिला लापता युवक

काशीराम आवास फेज-2 में हंगामे के बाद स्थिति काबू में

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के शिवपुर थाना क्षेत्र स्थित काशीराम आवास फेज-2 में उस समय हंगामा मच गया जब एक युवक के लापता होने की सूचना पर ग्रामीणों ने मौके पर ही विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। ग्रामीणों के अनुसार विकास नामक युवक को बीते दिन किसी विवाद के बाद मौके से ही पुलिस द्वारा इलाज के लिए एंबुलेंस से भेजा गया था। इसके बाद वह संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया, जिससे इलाके में तनाव का माहौल बन गया। युवक के गायब होने की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए और विरोध प्रदर्शन करने लगे। स्थिति को देखते हुए पुलिस टीम तत्काल सक्रिय हुई। शिवपुर पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए युवक विकास को ढूंढ निकाला और उसे सकुशल उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया। युवक के मिलने के बाद हालात सामान्य हो गए और प्रशासन ने राहत की सांस ली। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और घटना के सभी पहलुओं को खंगाला जा रहा है।

वाराणसी में एक्शनः चेतगंज में छेड़खानी करने वाला आरोपी गिरफ्तार, पुलिस की त्वरित कार्रवाई

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के चेतगंज क्षेत्र में छेड़खानी की घटना के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। घटना के सामने आते ही स्थानीय लोगों में आक्रोश देखने को मिला, जिसके बाद पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए अभियुक्त को दबोच लिया। पुलिस के अनुसार, आरोपी पर एक महिला के साथ छेड़खानी करने का आरोप है। शिकायत मिलते ही पुलिस ने तुरंत कार्रवाई शुरू की और जांच के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

महिला सुरक्षा पर फिर उठे सवालः इस घटना ने एक बार फिर महिला सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि ऐसे मामलों में सख्त और त्वरित कार्रवाई बेहद जरूरी है, ताकि अपराधियों में कानून का डर बना रहे।

पुलिस का सख्त संदेशः पुलिस ने साफ किया है कि महिलाओं के खिलाफ अपराध किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

केराकत नगर पंचायत अध्यक्ष ज्योति कृष्णा जायसवाल सड़क हादसे में घायल, बस चालक गिरफ्तार

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत नगर पंचायत अध्यक्ष ज्योति कृष्णा जायसवाल सोमवार को एक सड़क दुर्घटना में घायल हो गईं। घटना उस समय हुई जब वह अपनी निजी कार से बच्चों के साथ वाराणसी जा रही थीं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, चंदवक थाना क्षेत्र के परसौडी गांव के पास पीछे से आ रही एक अनुबंधित बस ने उनकी कार में जोरदार टक्कर मार दी। बताया जा रहा है कि बस चालक ओवरटेक करने के प्रयास में नियंत्रण खो बैठा और कार के पिछले हिस्से में टक्कर हो गई। इस हादसे में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि ज्योति कृष्णा जायसवाल के बाएं पैर में फ्रैक्चर हो गया है। राहत की बात यह रही कि कार में सवार बच्चे सुरक्षित हैं। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे। उनके पति कृष्णा जायसवाल ने चंदवक थाने में बस चालक के खिलाफ तहरीर दी। चंदवक थाना प्रभारी अमित कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी बस चालक और वाहन को हिरासत में ले लिया गया है तथा मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

जेल पर सख्त नजर: जिला जज, डीएम व एसपी ने किया औचक निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला जज, जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा जिला कारागार का त्रैमासिक निरीक्षण किया गया। इस दौरान अधिकारियों ने जेल की व्यवस्थाओं का गहनता से जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, स्वच्छता, बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही मूलभूत सुविधाएं तथा चिकित्सा सेवाओं की स्थिति का विस्तृत निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के लिए सुधारात्मक सुझाव भी दिए तथा संबंधित कर्मियों को सतर्कता एवं संवेदनशीलता के साथ अपने दायित्वों के निर्वहन के निर्देश दिए। उच्च न्यायालय एवं शासन के निदेर्शों के क्रम में जिला जज द्वारा दिव्यांग बंदियों/व्यक्तियों को व्हीलचेयर एवं अन्य सहायक उपकरण भी वितरित किए गए, जिससे उन्हें दैनिक कार्यों में सुविधा मिल सके। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने जेल प्रशासन को निर्देशित किया कि बंदियों के स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं सुविधाओं के प्रति किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा सभी व्यवस्थाएं मानकों के अनुरूप सुनिश्चित की जाएं।

मिठाई बेचने वाले का बेटा बना डिप्टी एसपी

आईएएस इंटरव्यू में 2 बार असफल होने के बाद भी नहीं मानी हार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के चंदवक क्षेत्र से एक प्रेरणादायक सफलता की कहानी सामने आई है, जिसने यह साबित कर दिया कि कठिन परिस्थितियां भी मजबूत इरादों के आगे टिक नहीं पातीं। खुज्झी मोड़ निवासी एक साधारण मिठाई विक्रेता के बेटे राजू मोदनवाल ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) परीक्षा में 11वीं रैंक हासिल कर डिप्टी एसपी बनकर जिले का नाम रोशन किया है।

राजू मोदनवाल के पिता सूरज मोदनवाल खुज्झी मोड़ पर मिठाई की दुकान चलाते हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने अपने बेटे की पढ़ाई में कोई कमी नहीं आने दी। राजू ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा श्री कुबेर सिंह माध्यमिक विद्यालय, खुज्झी से प्राप्त की। इसके बाद इंटरमीडिएट की पढ़ाई सुमित्रा शिक्षा इंटर कॉलेज, बजरंगनगर से पूरी की।

उच्च शिक्षा के लिए उन्होंने श्री गणेश राय पीजी कॉलेज में बीएससी में प्रवेश लिया, लेकिन बेहतर तैयारी के लिए बाद में दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध हंसराज कॉलेज में दाखिला लेकर स्नातक की पढ़ाई पूरी की और वहीं से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी शुरू की।

राजू की सफलता का सफर संघर्षों से भरा रहा। उन्होंने दो बार सिविल सेवा (आईएएस) की लिखित परीक्षा पास की, लेकिन इंटरव्यू में असफल हो गए। इसके बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और निरंतर प्रयास करते रहे। उनकी यही लगन और दृढ़ संकल्प आखिरकार रंग लाया और उन्होंने यूपीपीएससी परीक्षा में शानदार सफलता प्राप्त कर डिप्टी एसपी का पद हासिल किया।

अपनी इस उपलब्धि का श्रेय राजू ने अपने माता-पिता, चाचा और पड़ोसियों के सहयोग के साथ-साथ अपनी कड़ी मेहनत को दिया है। उनकी सफलता से पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है और उनके घर बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। राजू मोदनवाल की यह उपलब्धि जिले के युवाओं के लिए एक मिसाल बन गई है, जो यह संदेश देती है कि अगर लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत सच्ची हो, तो सफलता जरूर मिलती है।

आवारा कुत्ते के काटने से अधेड़ की मौत, क्षेत्र में दहशत

एक ही दिन में पांच और लोग बने शिकार, प्रशासन की कार्यशैली पर उठे सवाल

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र में आवारा कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। कोपा गांव में कुत्ते के काटने से घायल युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई, जिससे पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। वहीं, रविवार को भी पागल कुत्ते ने तीन महिलाओं समेत पांच लोगों को काटकर घायल कर दिया।

जानकारी के अनुसार, कोपा गांव निवासी कृष्ण मुरारी सिंह पुत्र दीपनारायण सिंह को बीते 9 मार्च को एक आवारा कुत्ते ने काट लिया था। परिजनों ने तत्काल उन्हें राजकीय चिकित्सालय ले जाकर समय से रैबीज के इंजेक्शन लगवाए। वहीं चिकित्सालय कर्मचारियों की लापरवाही साफ दिखा जहां पागल कुत्ते काटने के बाद सात इंजेक्शन लगना चाहिए था। लेकिन मात्र तीन डोज लगा जिसके चलते शरीर में रेबीज फैलने के कारण स्थित खराब हो गया इसके बावजूद शनिवार को अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई।

परिजन उन्हें स्थानीय चिकित्सक डॉ. आरबी यादव के पास ले गए।

जहां हालत गंभीर देख वाराणसी रेफर कर दिया गया। बाद में परिजन उन्हें लखनऊ स्थित राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराए। जहां रविवार रात उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया, वहीं गांव में भय का माहौल फैल गया। परिजनों ने बिना पुलिस को सूचना दिए ही शव का अंतिम संस्कार कर दिया।

परिवार और ग्रामीणों का कहना है कि गांव से लेकर नगर तक आवारा कुत्तों के झुंड खुलेआम घूम रहे हैं।लेकिन प्रशासन इस ओर कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर रहा है। सरकार द्वारा कुत्तों को पकड़ने के आदेश भी केवल कागजों तक सीमित नजर आ रहे हैं।

उधर, रविवार की सुबह मियापुर गांव में एक पागल कुत्ते ने 80 वर्षीय किशोरी लाल, 21 वर्षीय गरिमा, खरौना गांव की 30 वर्षीय राजनंदनी, सबरहद गांव के 48 वर्षीय पारितोष श्रीवास्तव और 26 वर्षीय कुसुम को काटकर घायल कर दिया। सभी को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। जहां गंभीर हालत देख चिकित्सकों ने रेफर कर दिया।

अब पेट्रोल पंपों पर मिलेगा राशन वाला केरोसीन, केंद्र सरकार का बड़ा फैसला!

नई दिल्ली (उत्तरशक्ति)। देश में संभावित ईंधन संकट से निपटने के लिए केंद्र सरकार ने एक अहम और राहत भरा निर्णय लिया है। सरकार ने नियमों में अस्थायी ढील देते हुए अगले 60 दिनों तक पेट्रोल पंपों के माध्यम से राशन वाला केरोसीन बेचने की अनुमति दे दी है।

इस फैसले का उद्देश्य आम जनता को ईंधन की कमी से राहत देना और वैकल्पिक ईंधन की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। अब तक केरोसीन केवल सार्वजनिक वितरण प्रणाली (राशन की दुकानों) के जरिए सीमित मात्रा में उपलब्ध होता था, लेकिन नई व्यवस्था के तहत इसकी पहुंच और आसान हो जाएगी।

क्या है सरकार का फैसला?: केंद्र सरकार ने पेट्रोल पंप संचालकों को निर्देश दिया है कि वे निर्धारित अवधि तक केरोसीन की बिक्री कर सकते हैं। यह व्यवस्था अस्थायी (60 दिन) के लिए लागू की गई है, जिसे जरूरत के अनुसार आगे बढ़ाया भी जा सकता है।

आम जनता को क्या होगा फायदा?: ◆ ईंधन की कमी से राहत मिलेगी ◆ ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में केरोसीन की आसान उपलब्धता ◆ घरेलू उपयोग और छोटे व्यवसायों को सहारा ◆ लंबी लाइनों और कालाबाजारी पर लगाम।

नियम और निगरानी भी सख्तः सरकार ने साफ किया है कि इस दौरान केरोसीन की बिक्री पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी, ताकि कालाबाजारी और दुरुपयोग को रोका जा सके। पेट्रोल पंपों को निर्धारित कीमत और नियमों का पालन करना अनिवार्य होगा।

सरकार का उद्देश्यः सरकार का कहना है कि यह कदम केवल अस्थायी राहत के लिए उठाया गया है, ताकि देश में ईंधन आपूर्ति संतुलित बनी रहे और आम जनता को किसी तरह की परेशानी न हो।

निष्कर्षः केंद्र सरकार का यह फैसला आम लोगों के लिए बड़ी राहत लेकर आया है। पेट्रोल पंपों पर केरोसीन की उपलब्धता से जहां ईंधन संकट का दबाव कम होगा, वहीं आम नागरिकों को भी बड़ी सुविधा मिलेगी।

वरिष्ठ सपा नेता की चाची के निधन पर दी सांत्वना

श्रद्धा सुमन अर्पित करने के लिए जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीय लोगों का सिलसिला जारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकासखंड क्षेत्र सुइथाकला अंतर्गत डेहरी गांव निवासी वरिष्ठ सपा नेता डॉ. सूर्यभान यादव की चाची हीरावती यादव (75) के निधन पर सोमवार को श्रद्धांजलि देने के लिए जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीय लोगों ने शोक संवेदना व्यक्त की। डेहरी गांव स्थित उनके पैतृक निवास स्थान पर पहुंचकर भावभीनी शोक संवेदना प्रकट करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। लोगों ने शोकाकुल परिजनों से मिलकर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए ढांढस बंधाया। आत्मा की शांति व परिजनों को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई। सपा नेता की चाची का हृदय गति रुक जाने के कारण (21 मार्च) शनिवार को निधन हो गया था। मौके पर शांति साधना आश्रम के महंत संत प्रकाश दास जी महाराज, शाहगंज के पूर्व विधानसभा प्रत्याशी एवं पूर्व ब्लॉक प्रमुख इंद्रदेव यादव, पूर्व प्रधान विजय बहादुर यादव, विजय पाल यादव, लल्लन प्रसाद यादव, डॉ. रमेश यादव सहित अन्य लोगों ने श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

मानीकलां: ईदगाह में जूता पहनकर सफाई करने का तेजी से विडियो हो रहा है वायरल : ग्रामीणों में आक्रोश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकास खण्ड सोंधी शाहगंज क्षेत्र के कस्बा मानीकलां में स्थित ईदगाह परिसर में जूते पहनकर सफाई करने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। यह घटना 20 फरवरी 2026 की बताई जा रही है, जिसके सामने आने के बाद स्थानीय ग्रामीणों में गहरा आक्रोश फैल गया है।

जानकारी के अनुसार, विकास खंड सोंधी क्षेत्र के मानीकलां स्थित ईदगाह में कुछ लोग जूते पहनकर सफाई कर रहे थे। इसी दौरान किसी व्यक्ति ने इसका वीडियो बना लिया और सोशल मीडिया पर साझा कर दिया, जो देखते ही देखते वायरल हो गया।

इम्तियाज अहमद की रिपोर्ट

वहीं, विकास खंड सोंधी शाहगंज के क्षेत्र एडीओ पंचायत खेतासराय से उत्तरशक्ति न्यूज के उप संपादक इम्तियाज अहमद ने इस मामले पर बात की। एडीओ पंचायत ने बताया कि उन्हें भी सोशल मीडिया के माध्यम से ही इस घटना की जानकारी मिली है। मैंने सफाई कर्मी अध्यक्ष रविंदर प्रताप को अवगत करा दिया है जो भी हुआ गलत हुआ है किसी भी धार्मिक स्थल की जूता पहनकर सफाई नहीं की जाती है। एडीओ पंचायत ने आश्वासन दिया कि वीडियो की सत्यता की जांच कराई जाएगी और यदि आरोप सही पाए जाते हैं, तो दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

मानी कलां कार्यवाहक अध्यक्ष आशीष कुमार मोदनवाल का कहना था थी मुझे भी वीडियो के माध्यम से पता चला है जो भी हुआ है गलत हुआ है ऐसा नहीं होना चाहिए था। उत्तरशक्ति हिन्दी दैनिक के उप सम्पादक इम्तियाज अहमद ने मानी कलां कार्यवाहक अध्यक्ष से पूछा कि अरविंद मोदनवाल, फागू लाल चौरसिया, को किस अधिकार के तहद सफाई ईदगाह के अन्दर जूता पहनकर कर रहे थे। कार्यवाहक अध्यक्ष ने संतोषजनक कोई जवाब नहीं दिया।

क्या कहना था मानी कलां के ग्रामीणों का

इस संबंध में जब ग्राम सभा के जिम्मेदार लोगों से संपर्क किया गया, तो उनकी ओर से कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया नहीं मिली। मगर वही एक तरफ ग्रामीणों में नाराजगी देखी गई सभी उचित कार्रवाई की मांग की है। कमालुद्दीन, रियाजुद्दीन, अल्ताफ अहमद, रेहान अहमद, मो.दानिश, मो.आसिफ सिद्दीकी, नदीम अनवर आदि ग्रामीणों ने भी मामले की गहन जांच कर संबंधित लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है और स्थानीय प्रशासन से उचित कदम उठाने की अपेक्षा की है।

ग्रामीणों ने इसे धार्मिक आस्था से जुड़ा मामला बताते हुए कड़ी नाराजगी व्यक्त की है। लोगों का कहना है कि ईदगाह एक पवित्र स्थल है और वहां इस प्रकार का व्यवहार पूरी तरह से अनुचित है।

रानापुर विद्यालय में आयोजित हुई पीटीएम बैठक

◆ प्रधानाध्यापक चंद्रेश यादव को दी गई भावपूर्ण विदाई

मो.जावेद

मड़ियाहूं,जौनपर (उत्तरशक्ति)। तहसील मड़ियाहूं क्षेत्र के रानापुर स्थित विद्यालय में हाल ही में अभिभावक-शिक्षक बैठक (पीटीएम) एवं स्कूल मैनेजमेंट कमेटी (एसएमसी) की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस दौरान विद्यालय के शैक्षिक विकास, शिक्षा की गुणवत्ता तथा छात्र-छात्राओं की उपस्थिति को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक के उपरांत विद्यालय के प्रधानाध्यापक श्री चंद्रेश यादव के स्थानांतरण के अवसर पर एक भावपूर्ण विदाई समारोह का आयोजन भी किया गया। इस मौके पर उपस्थित शिक्षकों एवं अभिभावकों ने उन्हें नम आंखों से विदाई दी।

विदाई समारोह का नेतृत्व रोहित बनवासी एवं शिक्षक प्रमोद द्वारा किया गया। उन्होंने प्रधानाध्यापक चंद्रेश यादव को पुष्पमाला पहनाकर तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर उनके कार्यकाल की सराहना की। कार्यक्रम में क्षेत्र के पांच विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक भी शामिल हुए और सभी ने मिलकर चंद्रेश यादव के उज्जवल भविष्य की कामना की। विद्यालय परिवार ने उनके योगदान को याद करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया।

स्कॉर्पियो पर लगा था BJP का झंडा- पुलिस ने पकड़ा तो अंदर भरी थीं शराब की पेटियां

भोपाल (उत्तरशक्ति)। एमपी के दतिया में शराब तस्करी के बड़े मामले का खुलासा हुआ है। बीजेपी का झंडा लगाकर स्कॉर्पियो से शराब की तस्करी हो रही थी, पुलिस की सतर्कता की वजह से गाड़ी को पकड़ लिया गया है। पंडोखर थाना क्षेत्र में अवैध शराब तस्करी का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। तस्कर एक स्कॉर्पियो वाहन पर बीजेपी का झंडा लगाकर बेखौफ तरीके से शराब की खेप ले जा रहा था, ताकि रास्ते में किसी को शक न हो। हालांकि पुलिस की सतर्कता से उसका यह तरीका काम नहीं आया और पकड़ा धकड़ी की कार्रवाई के दौरान वह वाहन छोड़कर फरार हो गया।

चमेली हत्याकांड में दोषी को आजीवन कारावास

सोनभद्र (उत्तरशक्ति) । साढ़े तीन वर्ष पूर्व हुए चर्चित चमेली हत्याकांड में सोमवार को सत्र न्यायालय ने अहम फैसला सुनाते हुए आरोपी हीरालाल अगरिया को सश्रम आजीवन कारावास की सजा सुनाई। साथ ही उस पर 10 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है। अर्थदंड अदा न करने पर उसे 3 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। अदालत ने यह भी निर्देश दिया कि जेल में बिताई गई अवधि सजा में समाहित की जाएगी।

मामले की सुनवाई सत्र न्यायाधीश राम सुलीन सिंह की अदालत में हुई। अभियोजन पक्ष के अनुसार, 28 जून 2022 को चोपन थाना क्षेत्र के डूडीदह बसुधा कोटा गांव निवासी मुन्ना ने थाने में तहरीर देकर बताया था कि उसकी मौसी चमेली (48) जंगल में बकरी चराने गई थी। इसी दौरान गांव के ही हीरालाल अगरिया से भूत-प्रेत को लेकर विवाद हो गया।

विवाद के दौरान हीरालाल अगरिया ने कुल्हाड़ी के डंडे से चमेली पर हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजन उसे अस्पताल ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच के बाद पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर न्यायालय में चार्जशीट दाखिल की। सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने आरोपी का पहला अपराध बताते हुए नरमी बरतने की अपील की, जबकि जिला शासकीय अधिवक्ता (फौजदारी) ज्ञानेंद्र शरण रॉय ने इसे जघन्य हत्या बताते हुए कड़ी सजा की मांग की। अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें, गवाहों के बयान और उपलब्ध साक्ष्यों का अवलोकन करने के बाद आरोपी को दोषी करार देते हुए सश्रम आजीवन कारावास और अर्थदंड की सजा सुनाई।

रविवार को भी खुलेंगे विद्यालय, बूथों पर पढ़ी जाएगी निर्वाचक नामावली

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार 11 जनवरी 2026 (रविवार) को जनपद के सभी विद्यालय खुले रहेंगे। इस दिन पूर्वाह्न 11:00 बजे से सायं 4:00 बजे तक सभी मतदेय बूथों पर बूथ लेवल अधिकारी (BLO) उपस्थित रहकर आलेख्य निर्वाचक नामावली का वाचन करेंगे और मतदाताओं के नामों का सत्यापन किया जाएगा।

कार्यक्रम के दौरान पदाभिहित अधिकारी, बीएलओ, शिक्षकगण एवं आमजन की उपस्थिति में निर्वाचक नामावली पढ़ी जाएगी तथा बैठक की कार्यवृत्त भी तैयार की जाएगी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने नागरिकों से अपील की है कि यदि मतदाता सूची से संबंधित कोई समस्या हो तो संबंधित बीएलओ या पदाभिहित अधिकारी से संपर्क करें।

निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार ऐसे मतदाता जिनका नाम वर्ष 2025 की निर्वाचक नामावली में था, लेकिन उन्होंने गणना प्रपत्र वापस नहीं किया है, उनका नाम फॉर्म-6 के साथ घोषणा प्रपत्र (अनुलग्नक-4) भरवाकर पुनः जोड़ा जाएगा। वहीं, ऐसे युवा जिनकी आयु 1 जनवरी 2026 को 18 वर्ष पूर्ण हो रही है और जिनका नाम मतदाता सूची में दर्ज नहीं है, वे भी फॉर्म-6 के माध्यम से अपना नाम जुड़वा सकते हैं। आयोग द्वारा निर्धारित अर्हक तिथियों में 1 जनवरी के अतिरिक्त 1 अप्रैल, 1 जुलाई एवं 1 अक्टूबर को अर्ह होने वाले मतदाताओं से भी दावे एवं आपत्तियों की अवधि में फॉर्म-6 प्राप्त किए जाएंगे। मतदाता सूची में संशोधन, पता परिवर्तन, फोटो पहचान पत्र के प्रतिस्थापन या दिव्यांग मतदाताओं के चिन्हांकन के लिए फॉर्म-8 भरकर संबंधित बीएलओ या निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय में जमा किया जा सकता है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि एसआईआर के दौरान अनमैप्ड मतदाताओं की मैपिंग के लिए नोटिस जारी किए जाएंगे। इस संबंध में 11 जनवरी को सायं 4:00 बजे कलेक्ट्रेट स्थित प्रेक्षागृह में जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में बैठक भी आयोजित की जाएगी।

जौनपुर में स्मार्ट मीटर का बड़ा विस्तार: 1.71 लाख से ज्यादा उपभोक्ता जुड़े, अब मोबाइल की तरह होगा बिजली रिचार्ज

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में बिजली व्यवस्था को आधुनिक और पारदर्शी बनाने की दिशा में स्मार्ट मीटर लगाने का कार्य तेजी से जारी है। अब तक जिले में 1,71,528 स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं, जो सुचारु रूप से कार्य कर रहे हैं। शेष उपभोक्ताओं के यहां भी मेसर्स जीएमआर द्वारा स्मार्ट मीटर लगाने का अभियान चलाया जा रहा है। विद्युत विभाग के अधिकारियों ने बताया कि यह स्मार्ट मीटर ISI प्रमाणित हैं और रियल टाइम में बिजली खपत व बैलेंस की जानकारी उपलब्ध कराते हैं। प्रीपेड प्रणाली पर आधारित ये मीटर मोबाइल फोन की तरह रिचार्ज किए जा सकते हैं, जिससे उपभोक्ताओं को बिल भुगतान की झंझट से राहत मिलेगी। स्मार्ट मीटर की खास बात यह है कि भविष्य में सोलर कनेक्शन लेने पर भी मीटर बदलने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। वहीं, प्रीपेड भुगतान पर उपभोक्ताओं को 2 प्रतिशत की छूट भी दी जा रही है। कम बैलेंस, भुगतान और खपत की जानकारी एसएमएस के जरिए लगातार मिलती रहती है। अधिकारियों के अनुसार, उपभोक्ताओं को बिजली कनेक्शन जोड़ने के लिए अब बिजलीघर के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे, क्योंकि मीटर स्वतः रिकनेक्ट हो जाता है। साथ ही UPPCL Smart App के माध्यम से उपभोक्ता प्रतिदिन, मासिक और प्रति घंटे बिजली खपत की जानकारी आसानी से प्राप्त कर सकते हैं। ऑनलाइन भुगतान की सुविधा को बढ़ावा देते हुए UPI, Paytm और Google Pay के माध्यम से तुरंत रिचार्ज किया जा सकता है। शिकायत दर्ज कराने और दैनिक कटौती की जानकारी भी ऐप पर उपलब्ध है। बताया गया कि RDSS योजना के तहत मौजूदा उपभोक्ताओं के लिए स्मार्ट मीटर निःशुल्क लगाए जा रहे हैं। हालांकि, नए कनेक्शन पर नियमानुसार शुल्क लागू होगा। विभाग ने स्पष्ट किया कि प्रारंभिक रिचार्ज में पुराने बकाए के कारण राशि अधिक लग सकती है, लेकिन यह पूरी तरह खपत पर आधारित होती है। बिजली कटने की स्थिति में रिचार्ज के बाद भी यदि दो घंटे में आपूर्ति बहाल नहीं होती है, तो उपभोक्ता 1912 हेल्पलाइन या व्हाट्सएप/चैटबॉट के माध्यम से शिकायत दर्ज करा सकते हैं। इस संबंध में मुख्य अभियंता (वि.) वाराणसी क्षेत्र-द्वितीय के निर्देश पर आयोजित प्रेसवार्ता में अधीक्षण अभियंता मनोज कुमार गुप्ता एवं अधीक्षण अभियंता अनिल पाठक मौजूद रहे।

श्रीराम के आदर्शों पर चलने से ही कल्याण: बृजेशानंद महाराज

-आदेश मिश्र

नवीमुंबई। कोपरखैरने सेक्टर 2 स्थित विश्व भारती इंग्लिश हाई स्कूल में आयोजित धार्मिक कार्यक्रम में मनकामेश्वर धाम के पीठाधीश संत बृजेशानंद महाराज ने श्रीराम के आदर्शों पर प्रकाश डालते हुए लोगों को जीवन में मयार्दा, सत्य और कर्तव्य पालन के महत्व को समझाया। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम केवल एक धार्मिक प्रतीक नहीं, बल्कि आदर्श जीवन जीने की प्रेरणा हैं। श्रीराम ने अपने पूरे जीवन में सत्य, त्याग, धैर्य और कर्तव्य निष्ठा का पालन किया, जो समाज के लिए आज भी उतना ही प्रासंगिक है। महाराज ने कहा कि वर्तमान समय में सामाजिक और पारिवारिक मूल्यों में तेजी से गिरावट देखने को मिल रही है, ऐसे में श्रीराम के आदर्शों को अपनाना बेहद जरूरी है। महाराज ने युवाओं से विशेष रूप से आह्वान

किया कि वे अपने जीवन में अनुशासन और संस्कार को अपनाए।

बृजेशानंद महाराज का भव्य स्वागत

कार्यक्रम के दौरान भजन-कीर्तन का भी आयोजन किया गया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया. इस अवसर पर शिखर न्यूज नेटवर्क के संपादक सुरेश शुक्ला, पत्रकार अनिल बारी, प्रांजल मिश्र, रमाकांत पांडेय, उद्योगपति संजय गुप्ता, संतोष सानप, आचार्य पं. राजनाथ द्विवेदी, ओमप्रकाश तिवारी, समाजसेवी प्रद्युमन सिंह, डी.एन.मिश्रा, सीमा शुल्क अधिकारी राकेश अग्रवाल, नगरसेविका सायली शिंदे, उद्योगपति एमपी मिश्र, नागेंद्र पांडेय, नगरसेवक प्रवीण म्हात्रे, समाजसेवक नारायण शिंदे ने स्वामी जी को साल और पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। आयोजक रजनीश गौतम और दिवाकर पांडेय के नेतृत्व में नागमणि पांडेय, अश्वनी पांडेय, श्याम पांडेय, रिंकू पांडेय, विश्व भारती इंग्लिश हाई स्कूल के संचालक संजीव सिंह और प्रिंसिपल साधना सिंह की टीम ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई।

अयोध्या-पटना वंदे भारत एक्सप्रेस का जौनपुर जंक्शन पर मिंटू सिंह ने की ठहराव की मांग

जौनपुर। भारतीय रेलवे की आधुनिक और तेज रफ्तार ट्रेन वंदे भारत एक्सप्रेस ने देश में रेल कनेक्टिविटी को नई दिशा दी है। अयोध्या से पटना के बीच संचालित वंदे भारत एक्सप्रेस (22346) इस क्षेत्र के लिए किसी वरदान से कम नहीं है, लेकिन जौनपुर जंक्शन पर इस ट्रेन का ठहराव न होने से स्थानीय लोगों में निराशा है। जौनपुर वासियों की इस मांग को आवाज देते हुए विकास खंड सिकरारा, वार्ड संख्या 46 से भावी जिला पंचायत सदस्य प्रत्याशी सूरज सिंह मिंटू ने रेल मंत्रालय एवं रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से अपील की है कि जनहित को ध्यान में रखते हुए इस ट्रेन का ठहराव जौनपुर जंक्शन पर सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जौनपुर का ऐतिहासिक और शैक्षिक महत्व अत्यंत समृद्ध है। शिराज-ए-हिंद के नाम से प्रसिद्ध यह शहर शिक्षा और

संस्कृति का प्रमुख केंद्र रहा है। यहां के विद्यार्थियों और विद्वानों के लिए आधुनिक रेल सुविधाएं अत्यंत आवश्यक हैं। धार्मिक दृष्टि से भी जौनपुर का विशेष महत्व है। मां शीतला चौकिया धाम में वर्षभर लाखों श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। ऐसे में वंदे भारत एक्सप्रेस का ठहराव यहां धार्मिक पर्यटन को और बढ़ावा देगा। व्यापारिक दृष्टिकोण से भी जौनपुर एक महत्वपूर्ण जिला है। अयोध्या और पटना जैसे प्रमुख शहरों से सीधा और तेज रेल संपर्क यहां के व्यापार और आर्थिक गतिविधियों को नई गति प्रदान कर सकता है। सूरज सिंह मिंटू ने तर्क देते हुए कहा कि इस रूट पर बक्सर और आरा जैसे स्टेशनों के बीच दूरी अपेक्षाकृत कम होने के बावजूद वहां ठहराव दिया गया है, जबकि जौनपुर जंक्शन एक बड़ा और महत्वपूर्ण स्टेशन होने के बावजूद उपेक्षित है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि रेल प्रशासन जनभावनाओं का सम्मान करते हुए जल्द ही जौनपुर जंक्शन पर वंदे भारत एक्सप्रेस का ठहराव सुनिश्चित करेगा, जिससे पूरे पूर्वांचल को लाभ मिलेगा।

नदी में डूबा अंतिम संस्कार में शामिल व्यक्ति, तलाश जारी

जफराबाद ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के नाव घाट स्थित गोमती नदी तट पर सोमवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। अंतिम संस्कार में शामिल होने आया 48 वर्षीय व्यक्ति नदी में डूब गया। घटना के कई घंटे बीत जाने के बाद भी उसका कोई पता नहीं चल सका है। पुलिस और गोताखोरों की टीम लगातार तलाश में जुटी हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मुरारपुर हौज गांव निवासी दिलीप चौहान की 88 वर्षीय माता प्रभा देवी का रविवार देर रात बीमारी के चलते निधन हो गया था। सोमवार सुबह करीब आठ बजे परिजन और ग्रामीण उनका अंतिम संस्कार करने नाव घाट पहुंचे थे। अंतिम संस्कार के बाद कुछ लोग नदी में स्नान करने के लिए गए। इसी दौरान गांव के ही श्याम बहादुर चौहान (48), पुत्र स्वर्गीय लालजी चौहान, नदी में उतर गए। बताया जा रहा है कि नदी में गहराई अधिक होने के कारण वह डूबने लगे, लेकिन साथियों को इसकी भनक नहीं लगी।

काफी देर तक जब वह पानी से बाहर नहीं आए तो लोगों को संदेह हुआ। इसके बाद स्थानीय लोगों ने उन्हें खोजने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। सूचना पर थानाध्यक्ष श्रीप्रकाश शुक्ला पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थानीय गोताखोरों की मदद से तलाश अभियान शुरू कराया। थानाध्यक्ष स्वयं नाव पर सवार होकर खोजबीन में जुटे रहे। साथ ही उच्च अधिकारियों को सूचना देकर विभागीय गोताखोरों को भी बुलाया गया है। कई घंटे बीत जाने के बावजूद अभी तक लापता व्यक्ति का कोई सुराग नहीं मिल पाया है। घटना के बाद से परिवार में अनहोनी की आशंका को लेकर कोहराम मचा हुआ है। पुलिस का कहना है कि गोताखोरों की मदद से लगातार खोजबीन जारी है।

जौनपुर पुलिस का मिशन शक्ति फेज-05 के तहत व्यापक जागरूकता अभियान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण के उद्देश्य से जौनपुर पुलिस द्वारा मिशन शक्ति फेज-05 के अंतर्गत जनपद भर में व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुँवर अनुपम सिंह के निर्देशन में अभियान के द्वितीय चरण में सभी थाना क्षेत्रों में मिशन शक्ति टीम सक्रिय रूप से कार्य कर रही है।

अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने विद्यालयों, बाजारों, सार्वजनिक स्थलों, चौक-चौराहों और ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर महिलाओं एवं छात्राओं को जागरूक किया। इस दौरान एंटी रोमियो टीम के साथ मिलकर महिला अधिकारों, सुरक्षा उपायों, साइबर अपराध से बचाव तथा सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।

पुलिस द्वारा महिलाओं को हेल्पलाइन नंबरों जैसे 1090 (महिला पावर लाइन), 181 (महिला हेल्पलाइन), 112 (आपातकालीन सेवा), 108 (स्वास्थ्य सेवा), 1098 (बाल हेल्पलाइन), 1930 (साइबर हेल्पलाइन) और 1076 (सीएम हेल्पलाइन) के बारे में विस्तार से बताया गया तथा किसी भी आपात स्थिति में तुरंत इनका उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम में गुड टच-बैड टच, घरेलू हिंसा से जुड़े कानून, साइबर अपराध के खतरे और उनसे बचाव के उपायों पर भी विशेष मार्गदर्शन दिया गया। जौनपुर पुलिस ने स्पष्ट किया कि महिलाओं की सुरक्षा उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसके लिए पुलिस हर समय तत्पर है। साथ ही, प्रत्येक थाने पर स्थापित मिशन शक्ति केंद्रों के माध्यम से महिलाओं को त्वरित सहायता, परामर्श और शिकायत निस्तारण की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

यूपी पीसीएस 2024 की परीक्षा में चयनित हुए अमित कुमार सिंह,बधाइयों का लगा तांता

-लाल शेखर सिंह चीफ ब्यूरो

प्रतापगढ़ (उत्तरशक्ति) प्रतापगढ़ जनपद की रानीगंज तहसील स्थित ग्राम भैसवना निवासी विनय प्रताप सिंह के पुत्र अमित कुमार सिंह ने लोकसेवा आयोग उत्तरप्रदेश की 2024 बैच की परीक्षा में सफलता अर्जित करके अपने माता पिता और परिवार जनों के साथ-साथ अपने गाँव और जिले का नाम रोशन कर दिया।

अमित कुमार सिंह की यह सफलता उनकी लगन और कठिन परिश्रम का परिणाम है।अमित कुमार सिंह ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा मध्यप्रदेश के शहडोल तत्पश्चात इलाहाबाद से प्राप्त किया।अमित

कुमार सिंह की इस सफलता पर जहाँ उनके परिजन, पुरजन और संबंधी जन प्रसन्नता व आत्म गौरव की अनुभूति कर रहे हैं,वहीं अमित कुमार सिंह इसे भगवान की कृपा व गुरुजनों,माता निशा सिंह, पिता विनय प्रताप सिंह, बड़े भाई इंजीनियर मयंक सिंह की प्रेरणा एवं आशीर्वाद का परिणाम बताया।

अमित कुमार सिंह की इस सफलता पर चारों तरफ से बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है जिसे अमितकुमार सिंह सहित उनका पूरा परिवार विनम्रता पूर्वक स्वीकार करता नजर आ रहा है। अमित कुमार सिंह की यह सफलता नवयुवकों के लिए एक प्रेरणा हैं।

पवारा के पत्रकार विष्णुकांत मिश्रा ने किया रामलला के दर्शन

जौनपुर (उत्तर शक्ति)। जनपद जौनपुर विकास खण्ड मछली शहर, गांव - पोस्ट पवारा बाजार निवासी दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के पत्रकार विष्णुकांत मिश्रा (कलेक्टर) ने अयोध्या स्थित रामलला का दर्शन करने के लिए अपने परिवार के साथ पहुंच कर सरयू नदी में स्नान किया। तत्पश्चात हनुमान गढ़ी मंदिर पहुंचकर हनुमान जी का दर्शन कर माथा टेका और रामलला का भव्य और अलौकिक दर्शन कर भगवान श्री राम के चरणों में भावपूर्ण दर्शन कर देशवासियों को सुख - समृद्ध एवं खुशहाली के लिए प्रार्थना की। उनके साथ भावी प्रधान रमाजीत तिवारी (भूअर) , ब्रह्मदेव

मिश्रा, शशिकांत मिश्रा (मुन्ना) , दैनिक उत्तर शक्ति के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा के सुपुत्र धिरेंद प्रेम चंद मिश्रा , पत्रकार विष्णु कांत मिश्रा, मां सवित्रा मिश्रा, लीलावती प्रेम चंद मिश्रा, रंजू मिश्रा, अंश , सुनील तिवारी (वकील) , रीतिका मिश्रा, रिषभ तिवारी, अक्षिता मिश्रा सभी लोगों ने भगवान श्री राम के आदर्शों पर चलते हुए समाज में एकता, सदभावना और भाईचारे को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। रामलला का दर्शन करने से ऐसा प्रतीत हो रहा था । कि मानो भगवान राम स्वयं धरती पर विराजमान हों।

बच्चों को बेहतर शिक्षा प्रदान करें शिक्षक: राजेश गौतम

सुल्तानपुर (उत्तरशक्ति)। कादीपुर तहसील क्षेत्र के करौंदीकला विकासखंड अंतर्गत गोकुल इंटरनेशनल अकैडमी केकरचवर का वार्षिकोत्सव समारोह सोमवार को धूमधाम से भव्य तरीके से आयोजित किया गया। वार्षिकोत्सव समारोह में नन्हे-मुन्ने बच्चों ने मनमोहक एवं शानदार कार्यक्रमों की प्रस्तुति देकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्य अतिथि कादीपुर के भाजपा विधायक का प्रबंध निदेशक एवं करौदीकला के पूर्व ब्लॉक प्रमुख शिवनारायण वर्मा ने मुख्य अतिथि का पुष्पगुच्छ, माल्यार्पण, अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। विधायक ने विद्यालय की व्यवस्थाओं और प्रबंधन की सराहना की।

उन्होंने उत्कृष्ट कार्यक्रमों की प्रस्तुति देने वाले छात्राओं को प्रतिशत देकर सम्मानित किया। विधायक ने कहा कि दृढ़ इच्छा शक्ति के बल पर कम समय में विद्यालय की स्थापना करना

धूमधाम से मनाया गया गोकुल इंटरनेशनल एकेडमी का पहला वार्षिकोत्सव

सराहनीय कार्य है।

उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे बच्चों को बेहतर शिक्षा प्रदान करें, ताकि छात्र-छात्राएं आगे बढ़ सकें और संस्थान की स्थापना का उद्देश्य सार्थक हो सके। उन्होंने अभिभावकों से भी अपील की कि वे अपने बच्चों पर विशेष ध्यान दें और उनकी शिक्षा में सक्रिय भूमिका निभाएं। साथ ही विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं और अनुशासन की सराहना करते हुए प्रबंधन को बधाई दी।

विद्यालय के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक, पूर्व ब्लॉक प्रमुख शिवनारायण वर्मा ने कहा कि संस्थान का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि विद्यालय में आधुनिक संसाधनों के साथ शिक्षा दी जा रही है, जिससे छात्रों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके।

समारोह के दौरान बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिन्होंने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक, अभिभावक एवं क्षेत्र के गणमान्य लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहे। प्रधानाचार्य विशाल मिश्रा ने अतिथियों एवं आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया। संचालन आशुतोष सिंह एवं निकिता पांडेय ने किया।

मौके पर पूर्व ब्लॉक प्रमुख राजमणि वर्मा, थानाध्यक्ष ज्ञानेश दुबे, रामपूजन प्रजापति, उप प्रधानाचार्य सचिन मिश्रा, विवेकानंद उपाध्याय, सुरेश सिंह, जगदंबा प्रसाद उपाध्याय, भुलेश्वर प्रसाद तिवारी आदि मौजूद रहे।

रॉन्ग साइड ट्रक की टक्कर से कार चालक की मौत, पत्नी व मासूम घायल

सुशील कुमार तिवारी

डाला ,सोनभद्र (उत्तरशक्ति) । चोपन थाना क्षेत्र में रविवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में कार चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसकी पत्नी और मासूम बेटा घायल हो गए। हादसा परासपानी-जवाडी डांड मार्ग स्थित चोरपनिया गांव के पास वाराणसी-शक्तिनगर राज्य मार्ग पर हुआ। जानकारी के अनुसार, प्रयागराज से अंबिकापुर (छत्तीसगढ़) जा रही कार को रॉन्ग साइड से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और चालक वाहन में ही फंस गया। हादसे में कार चालक किशोर कुमार (38 वर्ष), पुत्र संत नारायण चौधरी, निवासी सीमोड, रांची (झारखंड) की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, उनकी पत्नी नितू देवी और लगभग 3 वर्षीय पुत्र वैदिक गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना की सूचना राहगीरों ने डायल 112 और चोपन पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जेसीबी की मदद से कार में फंसे लोगों को बाहर निकलवाया और घायलों को एंबुलेंस से चोपन अस्पताल भिजवाया।बताया जा रहा है कि परिवार निजी कार्य से अंबिकापुर जा रहा था। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा परिजनों को सूचना दे दी गई है। साथ ही फरार ट्रक चालक की तलाश और मामले की जांच जारी है।

सीटी 2.0 ने कलिनरी कास्केड्स में पर्यटन और पहचान पर चर्चा को नई दिशा दी

मुंबई। वक्ताओं ने यहाँ वार्ड्स लेक में आयोजित कलिनरी कास्केड्स के दौरान एक इंटरैक्टिव सत्र में कहा कि मेघालय खुद को एक ऐसे राज्य के रूप में स्थापित कर रहा है जिसकी पहचान उसकी मजबूत सांस्कृतिक पहचान, समुदाय-आधारित विकास और उभरते आर्थिक अवसरों से होती है। मेघालय पर्यटन द्वारा समर्थित यह दो-दिवसीय उत्सव, चल रहे सीटी 2.0 (एक पाक-कला विरासत अनुभव कार्यक्रम) के साथ ही आयोजित किया गया था। इन दोनों मंचों ने भोजन, संस्कृति और कहानी कहने के विषय पर आपसी तालमेल और विचारों के आदान-प्रदान के लिए एक साथ मिलकर काम किया। इस सत्र को संबोधित करते हुए, डॉ. विजय कुमार डी., अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, मेघालयान एज लिमिटेड ने कहा कि राज्य जान-बूझकर एक ऐसी विशिष्ट वैश्विक पहचान बनाने की दिशा में काम कर रहा है, जिसकी जड़ें उसकी संस्कृति, लोगों और प्राकृतिक ताकतों में गहरी जमी हों। उन्होंने कहा, हमारे पास एक अद्भुत कहानी है। और इस कहानी को दुनिया तक पहुँचाना जरूरी है।₹ उन्होंने आगे कहा कि मेघालय अपनी अनूठी पहचान और अवसरों को प्रदर्शित करने के लिए विभिन्न मंचों और सहयोगों का लाभ उठा रहा है। इस दृष्टिकोण के विकास क्रम को समझाते हुए, कुमार ने पहले की गई पहलों, जैसे कि मेघालयान एज फेस्तिवेल का ज़िक्र किया। इस उत्सव की प्रेरणा उस विश्व-मान्यता प्राप्त भूवैज्ञानिक समय-पैमाने से मिली थी जिसका नाम इसी क्षेत्र के नाम पर रखा गया है। उन्होंने कहा कि अब राज्य का मुख्य ध्यान खुद को उत्कृष्टता, सौंदर्य और अवसरों के केंद्र के रूप में स्थापित करने पर है।

प्रावि कलकलीबहरा में शिक्षा का उत्सव : 88 फीसदी अंक के साथ निपुण विद्यालय बना गौरव

सोनभद्र। गांवों की पगडंडियों से निकलकर जब शिक्षा अपने वास्तविक स्वरूप में खिलती है, तो वह केवल अक्षरज्ञान तक सीमित नहीं रहती, बल्कि संस्कार, संस्कृति और सामूहिक चेतना का उत्सव बन जाती है। कुछ ऐसा ही जीवंत दृश्य प्राथमिक विद्यालय कलकलीबहरा-1 में देखने को मिला, जहां वार्षिकोत्सव और शारदा संगोष्ठी ने पूरे परिसर को उत्साह, उमंग और उपलब्धि के रंगों से भर दिया। विद्यालय परिसर में सजा भव्य पंडाल, अभिभावकों की शत-प्रतिशत उपस्थिति और बच्चों की मासूम मुस्कान इस बात की गवाही दे रही थी कि यह आयोजन केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि शिक्षा के प्रति जागरूक होते समाज का प्रतीक है। यह उस बदलते ग्रामीण भारत की तस्वीर थी, जहां शिक्षा के प्रति जागरूकता अब एक आंदोलन का रूप लेती दिख रही है।

दीप प्रज्वलन और मां सरस्वती के पूजन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि भाऊराव देवरस महाविद्यालय की प्रवक्ता डॉ. प्रियंका जायसवाल और विशिष्ट अतिथि राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की प्रभारी प्रधानाचार्या डॉ. रितिका

श्रीवास्तव, ग्राम प्रधान श्रवण कुमार, एआरपी रामसूरत, वरिष्ठ शिक्षक शैलेश मोहन, मुसई राम, राजेश झा, लल्लू प्रजापति, महावीर सरस्वती शिशु मंदिर के प्रधानाचार्य अनिल तिवारी, समाजसेवी बालकृष्ण जायसवाल, डॉ. कृष्ण कुमार चौरसिया सहित अनेक गणमान्य लोग एवं सैकड़ों अभिभावक उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा शैक्षिक स्टॉल और टीएलएम (शिक्षण अधिगम सामग्री) का अवलोकन करते हुए रिबन काटकर स्कूल रेडीनेस कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। नव प्रवेशी बच्चों का तिलक लगाकर, माल्यार्पण एवं पुरस्कार देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया, जो अभिभावकों के लिए भी भावनात्मक क्षण रहा। कार्यक्रम का सबसे गौरवपूर्ण क्षण वह रहा जब विद्यालय को वर्ष 2025-26 के निपुण आकलन में 88 प्रतिशत अंक प्राप्त कर निपुण विद्यालय घोषित किए जाने की उपलब्धि साझा की गई। यह केवल एक प्रमाण पत्र नहीं, बल्कि शिक्षकों की मेहनत, बच्चों की लगन और अभिभावकों के विश्वास का साकार रूप है। इस उपलब्धि पर बच्चों और अभिभावकों को सम्मानित किया गया, जिससे पूरे माहौल में गर्व और आत्मविश्वास की नई ऊर्जा संचारित हुई। मतलब साफ है निपुण विद्यालय का दर्जा मिलना इस स्कूल के लिए केवल सम्मान नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी भी है। डीएलएड प्रशिक्षुओं के मूल्यांकन में 88ज अंक प्राप्त करना इस बात का प्रमाण है कि सीमित संसाधनों के बावजूद यदि संकल्प मजबूत हो, तो उत्कृष्टता हासिल की जा सकती है। कार्यक्रम में कक्षा-5 की छात्रा सृष्टि कुमारी को बेस्ट स्टूडेंट अवार्ड तथा श्रीमती रीमा देवी को ह्यउत्कृष्ट अभिभावक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही कक्षा-5 उत्तीर्ण विद्यार्थियों को भावभीनी विदाई दी गई, जिसमें खुशी और भावुकता का अनूठा संगम देखने को मिला, जो उनके जीवन के नए अध्याय की शुरूआत का प्रतीक बना। समाजसेवा के क्षेत्र में योगदान के लिए विनीता मसीह तथा सेवानिवृत्त शिक्षामित्र लक्ष्मीपुरी सिंह का सम्मान कार्यक्रम को भावनात्मक ऊंचाई दे गया।

मुख्य अतिथि डॉ. प्रियंका जायसवाल ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा ही बच्चों के भविष्य की असली पूंजी है। शिक्षा ही वह शक्ति है, जो बच्चों को आत्मनिर्भर और समाज को सशक्त बनाती है। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों की शिक्षा में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा यह आयोजन केवल एक दिन का उत्सव नहीं, बल्कि उस दिशा का संकेत है, जहां गांवों के विद्यालय भी उत्कृष्टता की नई परिभाषा गढ़ रहे हैं। वहीं डॉ. रितिका श्रीवास्तव ने शिक्षा को राष्ट्र निर्माण का आधार बताते हुए कहा कि विद्यालयों की ऐसी पहलें ही आत्मनिर्भर भारत की नींव मजबूत करती हैं। इस दौरान उन्होंने अभिभावकों से निरंतर सहयोग की अपील की।

प्रिया बापट और उमेश कामत अभिनीत हे काय नवीन? अब विशेष रूप से मराठी जी5 पर

ठाणे/नवी मुंबई। मराठी जी5 , जो दिल को छू लेने वाली और ज़िंदगी से जुड़ी कहानियों के लिए जाना जाता है, अब अपनी नई ओरिजिनल सीरीज हे काय नवीन? स्ट्रीम कर रहा है और इस बार इसमें एक खास ट्विस्ट भी है ! इस सीरीज में असल ज़िंदगी के कपल प्रिया बापट और उमेश कामत ऑन-स्क्रीन भी पति-पत्नी, यानी रमा और आदित्य के किरदार में नजर आ रहे हैं। इससे कहानी में एक अलग ही तरह की गर्माहट, सहजता और असलियत जुड़ जाती है, जो सिर्फ एक सच्चे रिश्ते से ही आ सकती है। क्योंकि सच कहें तो एक शादीशुदा जोड़ी की ज़िंदगी के उतार-चढ़ाव को निभाने के लिए उससे बेहतर कौन हो सकता है, जो असल ज़िंदगी में भी हर दिन यही कर रहा हो? वरुण नार्वेकर द्वारा निर्देशित यह शो एक हल्का-फुल्का, रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ा हुआ नजरिया पेश करता है, जो दिखाता है कि बड़े-बड़े पड़ाव पूरे होने के बाद जिंदगी में क्या होता है। इसमें प्रिय बापट, उमेश कामत, शुभांगी गोखले, उदय टिकेकर, सुयोग गो?हे, राजसी भावे, ओमकार गोवर्धन, तन्वी कुलकर्णी और पायल जाधव जैसे बेहतरीन कलाकार शामिल हैं। यह सीरीज रमा और आदित्य की कहानी है, एक ऐसा कपल जो बाहर से पूरी तरह सुलझा हुआ और सब कुछ हासिल कर चुका लगता है, लेकिन अचानक खुद से सवाल करने लगता है, अच्छा... अब आगे क्या? हर रोजमर्रा की ज़िंदगी के बीच सेट हे काय नवीन? उन छोटे-छोटे पलों को खूबसूरती से सामने लाता है, जिन्हें हम अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं—खामोश ठहराव, बदलते सपने, और वे अनकहे सवाल जो लंबे रिश्तों में धीरे-धीरे जगह बनाने लगते हैं। जब रमा अपनी रचनात्मकता को तलाशने के लिए एक ब्रेक लेने और अपना कपड़ों का ब्रांड शुरू करने का फैसला करती है, तो एक छोटा-सा पर्सनल प्रोजेक्ट धीरे-धीरे आत्म-खोज की एक गहरी यात्रा में बदल जाता है। वहीं, ज़िंदगी अपने साथ सरप्राइज, उम्मीदें और उतार-चढ़ाव लेकर आती रहती है, जिनके बीच रमा और आदित्य—साथ रहते हुए भी अपनी-अपनी तरह से बदलावों को समझना और संभालना सीखते हैं।

जबलपुर में अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा का 46वां महाधिवेशन 4 व 5 अप्रैल को

मुंबई। मध्यप्रदेश के जबलपुर स्थित दाऊ मैरिज गार्डन, महाराजपुर में 4 और 5 अप्रैल 2026 को अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा का 46वां महाधिवेशन आयोजित किया जाएगा। इस दो दिवसीय आयोजन में देशभर से समाज के पदाधिकारी और प्रतिनिधि बड़ी संख्या में शामिल होंगे। महाधिवेशन में मुख्य अतिथियों के रूप में केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया, नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल की उपस्थिति रहेगी।

इस अधिवेशन में पटेल, पाटिल, पाटीदार, मराठा, कुनबी, कलबी, कुड़ुंबर, कुड़मी, देवेंद्र कुल वेल्लालर, महतो, गुर्जर, खंडायत, नायक, नायडू, कापा, चंद्राकर, अंजना समाज, कम्मा, ओक्का लिंगा, कापू और कुलमी सहित विभिन्न समाजों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। कार्यक्रम के दौरान कृषि, युवा विकास, महिला सशक्तिकरण, उद्योग, रोजगार और किसान से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। साथ ही विभिन्न प्रस्ताव पारित कर समाज की हर क्षेत्र में भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा। महासभा के राष्ट्रीय संरक्षक एल.पी. पटेल, राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. वी.एस. निरंजन, राष्ट्रीय महासचिव उमेश कुमार, राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष लता दीदी चंद्राकर, युवा अध्यक्ष धीरज पाटीदार और उद्योग प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष धनंजय भाई वर्मा भी अधिवेशन को संबोधित करेंगे। देश के विभिन्न राज्यों से प्रांतीय पदाधिकारी अपने-अपने जिला अध्यक्षों के साथ कार्यक्रम में शामिल होंगे। महाराष्ट्र से प्रदेश अध्यक्ष संजय पाटिल, महासचिव जयेश शेलार पाटिल, कोषाध्यक्ष संदीप काळे पाटिल, युवा अध्यक्ष प्रमोद ठोंबे पाटिल, महिला प्रदेश अध्यक्षा डॉ. शोभाताई गायकवाड और उद्योग महासभा के प्रदेश अध्यक्ष समीर पाटिल सहित कई प्रमुख प्रतिनिधि मौजूद रहेंगे। विद्यार्थी महासभा की प्रदेश अध्यक्षा कु. निकिता पाटिल भी कार्यक्रम में भाग लेंगी। इसके अलावा, पुरोहित महासभा के कोंकण प्रांत के अध्यक्ष विजय दलवी, कृषि महासभा के संभाजी नगर विभाग के अध्यक्ष तथा राज्य सरकार के कृषि भूषण भगवान रामजी इंगोले भी उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर महाराष्ट्र कुर्मी समाज के पूर्व अध्यक्ष स्व. डॉ. बाबूलाल सिंह की स्मृति में समाज सेवा करने वाले एक व्यक्ति को सम्मानित किया जाएगा। यह महाधिवेशन समाज के लिए एक महत्वपूर्ण मंच माना जा रहा है, जहां राष्ट्रीय स्तर पर सामाजिक, आर्थिक और विकासात्मक मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श किया जाएगा।

नवीन सी. चतुर्वेदी के हिंदी गजल संग्रह विहान का लोकार्पण

मुंबई। मुंबई में ब्रज गजल प्रवर्तक एवं बहुभाषी शायर नवीन सी. चतुर्वेदी के हिंदी गजल संग्रह विहान का भव्य लोकार्पण रविवार को अंधेरी पश्चिम स्थित एसपीजेआईएमआर (भवन्स कॉलेज कैंपस) में हुआ। विविध भारतीय भाषाओं और बोलियों के साहित्योन्नयन को समर्पित संस्था साहित्यम के तत्वावधान में हुए कार्यक्रम में कवि सम्मेलन एवं मुशायरा भी हुआ, जिसमें राजेश रेड्डी, दीप्ति मिश्र, देवमणि पाण्डेय, डॉ. शैलेश श्रीवास्तव, नवीन जोशी नवा, सिद्धार्थ शाण्डिल्य, रवि यादव, डॉ. दमयन्ती शर्मा दीपा और तनोज दाधीच ने अपनी रचनाओं का पाठ कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। डॉ. बनमाली चतुर्वेदी के सानिध्य में हुए इस कार्यक्रम में मुंबई के साहित्य जगत के सभी प्रमुख लोग मौजूद थे।

कांदिवली लोखंडवाला में ग्राहकों के इंतजार में दिनभर खड़ारहा एलपीजी सिलिंडर से भरा ट्रक

-मनोज राय

मुंबई(उत्तरशक्ति)। पूरे भारत में जहां लोग सिलिंडर से भरे ट्रक का इंतजार करते घंटों लाइन में खड़े हैं। इसके विपरीत सोमवार को लोखंडवाला, कांदिवली में एक सुखद दृश्य देखने को मिला। यहां पर सिलिंडर से भरा एक ट्रक ग्राहक का इंतजार करता दिखाई दिया। शाम 4 बजे उत्तरशक्ति के संवाददाता ने वितरण स्थल पर पहुंच कर देखा कि सिलिंडर से भरा ट्रक खड़ा है और इक्का दुक्का ग्राहक ही सिलिंडर लेने आ रहे थे। लोगों ने बताया कि 11 बजे से सिलिंडर वितरित किया जा रहा है लेकिन ग्राहकों की संख्या बहुत कम है। उल्लेखनीय है कि पिछले सोमवार से ही लोखंडवाला, कांदिवली में एलपीजी सिलिंडर की किल्लत को लेकर उत्तर शक्ति ने एक अभियान छेड़ दिया था। अधिकारियों से लगातार बात करके एलपीजी सिलिंडर के वितरण को सुचारू रूप से सभी ग्राहकों तक पहुंचाया जाए यह सुनिश्चित किया । बता दें कि तीन दिन पहले उसी स्थान पर लोग कतार में खड़े हो कर बवाल काट रहे थे। जिसकी खबर उत्तरशक्ति ने प्रमुखता से उठाई थी। जिसका असर अगले दिन दिखाई देना शुरू हो गया था। आज लोगों को सिलिंडर तुरंत उपलब्ध हो रहा है।

मेफेड्रोन की व्यावसायिक मात्रा के मामले में आरोपी बिश्नोई को पुणे की अदालत ने जमानत दे दी

मुंबई। पुणे सत्र विशेष एनडीपीएस न्यायालय ने राजस्थान निवासी 22 वर्षीय आरोपी महेश बिश्नोई को जमानत दे दी है। उन पर पुणे के भारती विद्यापीठ पुलिस स्टेशन में एनडीपीएस अधिनियम के तहत दर्ज 53.51 ग्राम मेफेड्रोन (एमडी) की व्यावसायिक मात्रा से संबंधित एक मादक पदार्थ मामले में जमानत दी गई है। आरोपी 29 जुलाई 2024 से न्यायिक हिरासत में था। न्यायालय ने पाया कि आरोपी को उसकी गिरफ्तारी के कारणों के बारे में लिखित रूप में सूचित नहीं किया गया था और कथित प्रतिबंधित पदार्थ की प्रामाणिकता साबित करने के लिए उसकी वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी ठीक से नहीं की गई थी। बिश्नोई की जमानत याचिका अधिवक्ता अली काशिफ खान देशमुख, स्निग्धा खंडेलवाल और मोहम्मद फरीद ने दायर की थी। उन्होंने अवैध गिरफ्तारी के मामलों में जमानत प्राप्त करने के लिए सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय के कई निर्णयों का हवाला दिया और तदनुसार न्यायालय द्वारा लगाई गई कई शर्तों के साथ जमानत मंजूर की गई। न्यायालय ने इन्हीं आधारों और तर्कों पर सह-आरोपी श्रवण सिंह राजपूत को भी जमानत का लाभ दिया और उन्हें भी इसी तरह की शर्तों के साथ जमानत पर रिहा कर दिया।

राजस्थान दिवस पर सम्मान समारोह व हास्य कवि सम्मेलन सम्पन्न

मुंबई। आदिवासी बच्चों की शिक्षा के लिए समर्पित मानव सेवा चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा प्रति वर्ष 30 मार्च को मुंबई में बड़ी धूमधाम से राजस्थान दिवस मनाया जाता है,इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धियां हासिल करने वाले अनेक पुरोधाओं का सम्मान किया जाता है। इसी क्रम में ट्रस्ट ने इस वर्ष भी विरला मातुश्री सभागार, चर्चगेट, मुंबई में धूमधाम से राजस्थान दिवस मनाया, जिसमें सम्मान समारोह के साथ एक हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। हास्य सम्राट सुरेश मिश्र के अद्भुत संचालन में आशकरण अटल, महेश दूबे, लाफ्टर चैंपियन फेम गौरव शर्मा तथा शालिनी व्यास ने अपनी प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। फिल्मकार, कृष्ण कथाकार व ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित प्रदीप व्यास महाराज के मार्गदर्शन में आयोजित इस समारोह में पूर्व मंत्री स्वर्गीय राज के.पुरोहित को मरणोपरांत अटल सम्मान से सम्मानित किया गया। 38वें राजस्थान दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित राजस्थान रत्न अवार्ड समारोह मे यह सम्मान राज के पुरोहित के पुत्र नगरसेवक आकाश पुरोहित ने स्वीकार किया।

समारोह में समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले कई व्यक्तित्वों को भी राजस्थान रत्न मानवसेवा अवार्ड प्रदान किये गये। इनमें रमेश पोदार, अमरीश अग्रवाल, इंद्र कुमार पुगलिया, महेश अग्रवाल, मनमोहन गोयनका, राम प्रकाश बूबना तथा पाँच मंदिरों के एकल निमार्ता धर्मदेव राजेंद्र घुवालेवाला प्रमुख रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सियाराम समूह के निदेशक पवन पोदार ने की। इस अवसर पर योग गुरु शारदा बूबना ने ट्रस्ट की महिला सारथी के रूप में उपस्थित जनसमूह को नारी शक्ति को लेकर प्रेरणादायी संबोधन दिया।

समारोह में गणपत कोठारी, बृज मोहन अग्रवाल, अरुण हरभजनका, चंद्र प्रकाश सिंघानिया, सुभाष अग्रवाल, हरीश व्यास तथा राजस्थान प्रभारी संजय चतुर्वेदी सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। मानवसेवा चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित यह वार्षिक समारोह सामाजिक सेवा और शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित करने का एक महत्वपूर्ण मंच माना जाता है।अंत में पंडित व्यास जी ने सबके प्रति आभार व्यक्त किया।

नगर निगम की संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वाले बिल्डरों पर हो सख्त कार्रवाई : महेश सरवणकर

वसई-विरार। वसई-विरार नगर निगम क्षेत्र में इन दिनों बड़े पैमाने पर भवन निर्माण एवं रीडेवलपमेंट के कार्य चल रहे हैं। इस दौरान कई बिल्डर नगर निगम के नियमों का उल्लंघन करते हुए सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी वसई रोड बोर्ड के अध्यक्ष एवं नगरसेवक महेश सरवणकर ने इस गंभीर मुद्दे को उठाते हुए नगर निगम के महापौर से मांग की है कि ऐसे बिल्डरों के खिलाफ तत्काल सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने बताया कि कई निर्माण स्थलों पर बिल्डर बिना पर्याप्त खुली जगह छोड़े निर्माण कार्य कर रहे हैं, जिसके कारण वे अपने निर्माण सामग्री जैसे रेत, बजरी, सीमेंट, सरिया एवं अन्य सामान सड़कों और नालों के स्लैब पर जमा कर रहे हैं। इससे करोड़ों रुपये की लागत से बनी सड़कों, नालों के स्लैब और चैंबर कवर को भारी नुकसान हो रहा है। इसके अलावा, मल्टीस्टोरी इमारतों के निर्माण के दौरान ग्रीन नेट लगाना अनिवार्य है, लेकिन कई जगहों पर इसका पालन नहीं किया जा रहा है। इससे धूल प्रदूषण बढ़ रहा है और स्थानीय नागरिकों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

महेश सरवणकर ने नगर निगम प्रशासन से मांग की है कि सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वाले बिल्डरों पर दंडात्मक कार्रवाई की जाए, नियमों का उल्लंघन करने वालों पर भारी जुमार्ना लगाया जाए, निर्माण स्थलों पर ग्रीन नेट का उपयोग सुनिश्चित किया जाए, उन्होंने कहा कि इससे न केवल सार्वजनिक संपत्तियों की सुरक्षा होगी, बल्कि जुमार्ने के रूप में नगर निगम को अतिरिक्त राजस्व भी प्राप्त होगा।

राजिता सिंह बनीं PCS अधिकारी, क्षेत्र में खुशी की लहर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद की प्रतिभाशाली बेटियों ने एक बार फिर सफलता का परचम लहराया है। केराकत तहसील क्षेत्र के हुरहुरी गांव की निवासी राजिता सिंह ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग 2024 परीक्षा में सफलता प्राप्त कर जिले का मान बढ़ाया है। उनकी इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल है। राजिता सिंह, एसडी पब्लिक स्कूल हुरहुरी की संचालिका रेखा सिंह की होनहार पुत्री हैं। उन्होंने अपनी कड़ी मेहनत, अनुशासन और लगन के बल पर यह मुकाम हासिल किया है। उनकी सफलता से न केवल परिवार, बल्कि पूरे जौनपुर जनपद में उत्साह की लहर दौड़ गई है। परिजनों और शुभचिंतकों का कहना है कि राजिता शुरू से ही पढ़ाई में मेधावी रही हैं और उन्होंने अपने लक्ष्य को पाने के लिए निरंतर प्रयास किया। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और अपने सपनों को साकार कर दिखाया। राजिता की इस सफलता ने क्षेत्र के युवाओं, खासकर बेटियों को एक नई दिशा और प्रेरणा दी है। लोगों का मानना है कि उनकी उपलब्धि यह साबित करती है कि अगर इरादे मजबूत हों, तो कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। गांव और आसपास के क्षेत्रों में बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। सभी ने राजिता के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए इसे जौनपुर के लिए गर्व का क्षण बताया है।

खादी बनेगी रोजगार की नई धुरी, स्वदेशी से सशक्त होगा गांव

वाराणसी. गांव, गरीब और स्वावलंबन की धुरी मानी जाने वाली खादी को नई ऊर्जा देने की दिशा में सोमवार को वाराणसी में एक महत्वपूर्ण पहल देखने को मिली। ऊ.प्र. खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड, वाराणसी मंडल द्वारा महमूरगंज स्थित होटल वंशी वट बैंक्वेट में मंडल स्तरीय एक दिवसीय खादी सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत वाराणसी की माननीय अध्यक्ष श्रीमती पूनम मौर्या ने की, जिसमें खादी के विस्तार, नवाचार और रोजगार सृजन के विविध आयामों पर गंभीर मंथन हुआ।

सेमिनार में वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि खादी आज केवल अतीत की विरासत नहीं, बल्कि भविष्य की आर्थिक आत्मनिर्भरता का मजबूत आधार बन सकती है। बदलते समय के साथ खादी को आधुनिक बाजार, डिजाइन और डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ने की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया, ताकि युवाओं को इससे जोड़ा जा सके और रोजगार के नए अवसर सृजित हों। मुख्य अतिथि श्रीमती पूनम मौर्या ने अपने प्रेरक संबोधन में कहा कि ह्लखादी केवल पहनने का कपड़ा नहीं, बल्कि आत्मसम्मान, स्वदेशी भावना और स्वतंत्रता संग्राम की पहचान है। उन्होंने महात्मा गांधी के स्वदेशी विचारों को याद करते हुए कहा कि खादी ने आजादी की लड़ाई में देश को एक सूत्र में पिरोने का कार्य किया था और आज वही खादी आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने में अहम भूमिका निभा सकती है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे विदेशी उत्पादों के बजाय स्वदेशी खादी उत्पादों को अपनाएं, जिससे गांवों में रोजगार बढ़े और कारीगरों का जीवन स्तर सुधरे।

कार्यक्रम का संचालन परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग अधिकारी यू.पी. सिंह ने प्रभावशाली ढंग से किया। उन्होंने खादी और ग्रामोद्योग से जुड़ी विभिन्न योजनाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और स्वरोजगार के अवसरों की विस्तार से जानकारी दी। साथ ही यह भी बताया कि किस प्रकार सरकार की योजनाओं के माध्यम से बुनकरों और कतिनों को वित्तीय सहायता, प्रशिक्षण और विपणन सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इस अवसर पर संयुक्त आयुक्त उद्योग वाराणसी मंडल मोहन कुमार शर्मा ने कहा कि खादी क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं, जिन्हें सही दिशा और तकनीकी सहयोग के माध्यम से बड़े उद्योग का स्वरूप दिया जा सकता है। सहायक निदेशक खादी ग्रामोद्योग आयोग के.पी. मिश्रा ने खादी उत्पादों की गुणवत्ता और ब्रांडिंग पर विशेष बल देते हुए कहा कि यदि उत्पादों को आधुनिक बाजार की मांग के अनुरूप ढाला जाए, तो खादी वैश्विक स्तर पर अपनी अलग पहचान बना सकती है।

सहायक निदेशक हथकरघा निशीथ गौड़ तथा परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग अधिकारी विंध्याचल मंडल अमितेश कुमार सिंह ने भी अपने विचार रखते हुए कहा कि खादी और हथकरघा क्षेत्र को तकनीकी नवाचार और प्रशिक्षण के साथ जोड़ना समय की आवश्यकता है। उन्होंने युवाओं को इस क्षेत्र से जोड़ने पर विशेष बल दिया। कार्यक्रम में जौनपुर, गाजीपुर, चंदौली और भदोही के जिला ग्रामोद्योग अधिकारियों विनोद कुमार सिंह, श्रीमती अमिता श्रीवास्तव, गिरजा प्रसाद और राजेश कुमार सिंह—की गरिमामयी उपस्थिति रही। इसके अलावा प्रभारी उद्यमिता संस्थान अजय कन्नौजिया, वरिष्ठ सहायक पवन कुमार, अमन जायसवाल सहित अनेक अधिकारी, कर्मचारी, खादी संस्थाओं के पदाधिकारी, बुनकर, कतिन और खादी में रुचि रखने वाले गणमान्य लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सेमिनार के दौरान बुनकरों और कतिनों ने भी अपने अनुभव साझा किए और खादी क्षेत्र में आ रही चुनौतियों—जैसे विपणन, उचित मूल्य, कच्चे माल की उपलब्धता और आधुनिक तकनीक की कमी—की ओर ध्यान आकर्षित किया। अधिकारियों ने इन समस्याओं के समाधान का आश्वासन देते हुए कहा कि सरकार खादी क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

जनरेटर चोरी में गोलीकांड का खुलासा, तीन बदमाश गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तेजीबाजार थाना क्षेत्र में जनरेटर चोरी के दौरान हुई गोलीबारी की घटना का पुलिस ने खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक आरोपी अभी भी फरार है। पुलिस के अनुसार, 29 मार्च की रात कुछ बदमाश मैजिक वाहन से जनरेटर चोरी करने पहुंचे थे। इसी दौरान आहट मिलने पर उन्होंने एक व्यक्ति को गोली मार दी और मौके से फरार हो गए। घटना की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर तेजीबाजार पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए आरोपियों की तलाश शुरू की। सूचना के आधार पर पुलिस ने शेखपुर नहर रोड के पास घेराबंदी की। इसी दौरान दो मोटरसाइकिल और एक मैजिक वाहन से जा रहे संदिग्धों को रोकने का प्रयास किया गया। पुलिस को देखकर आरोपी वाहन छोड़कर भागने लगे, लेकिन पुलिस ने तीन बदमाशों को मौके से पकड़ लिया, जबकि एक आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। गिरफ्तार आरोपियों के पास से एक देशी पिस्टल (.32 बोर) और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया। साथ ही घटना में प्रयुक्त मैजिक वाहन और दो मोटरसाइकिल भी कब्जे में ले ली गई हैं। पकड़े गए आरोपियों की पहचान टाइगर उर्फ विशाल गौतम, संदीप और दुर्गेश गौतम निवासी सिकरारा के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, इनके खिलाफ पूर्व में भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है, वहीं फरार आरोपी की तलाश में दबिश दी जा रही है। पुलिस अधीक्षक ने इस कार्रवाई के लिए टीम की सराहना की है।

जसलोक हॉस्पिटल ने मेनिस्कस ट्रांसप्लांट में रचा इतिहास

मुंबई। घुटने के संरक्षण की सर्जरी में भारत ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। जसलोक हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर ने एक ही संस्थान के भीतर दान किए गए, प्रोसेस किए गए और प्रत्यारोपित किए गए ग्राफ्ट का उपयोग कर सफलतापूर्वक मेनिस्कस एलोग्राफ्ट ट्रांसप्लांट किया है। डॉ. प्रसाद भगुंडे, कंसल्टेंट ऑर्थोपेडिक्स एवं स्पोर्ट्स मेडिसिन एक्सपर्ट के नेतृत्व वाली सर्जिकल टीम द्वारा की गई यह प्रक्रिया भारत के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। सर्जरी के लिए एनेस्थीसिया में डॉ रजनी एम आर, कंसल्टेंट एनेस्थेसियोलॉजी, जसलोक हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर का सहयोग मिला। यह साबित करता है कि अब हमारे देश के संस्थान टिश्यू डोनेशन (ऊतक दान), संरक्षण और ट्रांसप्लांट की पूरी प्रक्रिया को खुद मैनेज करने में सक्षम हैं। जसलोक हॉस्पिटल में यह सर्जरी एक 21 वर्षीय इंजीनियरिंग छात्र पर की गई, जो खेल के दौरान लगी चोट के कारण अपना मेनिस्कस खो चुका था। इससे पहले कई बार इलाज कराने के बावजूद उसका दर्द कम नहीं हो रहा था, जिससे उसके घुटने का स्वास्थ्य और चलना-फिरना मुश्किल हो गया था। यह छात्र अपनी पढ़ाई का खर्च निकालने के लिए पार्ट-टाइम खिलाड़ी के रूप में भी काम करता था। समय के साथ स्थिति इतनी खराब हो गई कि जसलोक अस्पताल पहुँचने से पहले उसका सामान्य चलना भी दूभर हो गया था। मेनिस्कस घुटने के जोड़ में एक 'शॉक एब्जॉर्बर' (झटका सहने वाली गद्दी) की तरह काम करता है। जब चोट या बार-बार की सर्जरी के कारण यह पूरी तरह हट जाता है, तो मरीजों को लगातार दर्द, सूजन और कम उम्र में ही घुटने के गठिया का खतरा हो जाता है। युवाओं और सक्रिय लोगों के लिए यह स्थिति और भी गंभीर होती है क्योंकि इसके बिना उनका हिलना-डुलना मुश्किल हो जाता है। एक बार पूरी तरह नष्ट होने के बाद मेनिस्कस खुद से दोबारा नहीं बनता, और फिलहाल कोई ऐसा बनावटी इम्प्लांट नहीं है जो इसकी प्राकृतिक कार्यप्रणाली की बराबरी कर सके। ऐसे मरीजों के लिए, जिन्हें अभी गंभीर गठिया नहीं हुआ है, डोनर के जैविक ऊतक का ट्रांसप्लांट ही एकमात्र रास्ता है जो घुटने को फिर से सामान्य बना सकता है। इस मामले में, मेनिस्कस ग्राफ्ट (गद्दी) जसलोक अस्पताल में ही दान की गई थी और बाद में उसी अस्पताल के एक मरीज में ट्रांसप्लांट की गई। स्थानीय स्तर पर दान और ट्रांसप्लांट का ऐसा पूरा चक्र अभी भी भारत में आम नहीं है। यह दिखाता है कि देश के भीतर 'टिश्यू डोनेशन' (ऊतक दान) उन मरीजों की सीधी मदद कैसे कर सकता है, जिन्हें घुटने बचाने वाली जटिल सर्जरी की जरूरत होती है। इसी डोनर ग्राफ्ट का उपयोग करके जसलोक अस्पताल के सर्जन्स ने न्यूनतम इनवेसिव (बिना बड़े चीरे के) आर्थ्रोस्कोपिक तरीके से ट्रांसप्लांट पूरा किया। घुटने में प्राकृतिक कुशनिंग और मजबूती वापस लाने के लिए सही साइज की मेनिस्कस गद्दी लगाई गई, ताकि मरीज का घुटना फिर से सामान्य रूप से काम कर सके और वह पहले की तरह चल-फिर सके।

लापता

बृजेश अच्छेलाल प्रजापति उम्र 23 वर्ष, हाईट 5.6, रंग-गोरा, कपडा -सर्ट क्रीम, जिंस पैट, पिता का नाम अच्छेलाल प्रजापति है। जो 24/3/2026 को रात 9:30 बजे लापता हो गया है। अगर किसी को जानकारी हो तो कृपाया इस नंबर पर जानकारी देने का कष्ट करें। मो.-9867980246,98928806 95, पता- एच-ए2 गणेश देवन नगर जनता नगर रोड, भायंदर वेस्ट थाना, महाराष्ट्र।